दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
बलरामपुर
बुधवार, 11 फरवरी 2026
वर्षः 05 अंक : 130 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया
कोमिकल पीलिंग के बाद ध्यान में ...8
9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

एआई-डीपफेक पर सरकार सख्त

क्या है 10 प्रतिशत विजिबिलिटी रूल? 20 फरवरी से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार और डीपफेक कंटेंट को लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए कड़े दिशा–निर्देश जारी किए हैं। नए प्रविधानों के तहत एक्स, इंस्टाग्राम सहित सभी सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म को किसी सक्षम प्राधिकरण या अदालत द्वारा चिन्हित

एआइ–जेनरेटेड या सिंथेटिक कंटेंट को अधिकतम तीन घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। यह समयसीमा पहले 36 घंटे थी। इसके साथ ही यूजर्स पर भी जिम्मेदारी डाली गई है। यूजर्स को एआइ से तैयार या संशोधित कंटेंट पोस्ट करते समय उसका खुलासा करना होगा, जबकि प्लेटफॉर्म को ऐसी घोषणाओं के सत्यापन के लिए तकनीकी व्यवस्था अपनानी होगी।

20 फरवरी से लागू होंगे नए नियम : इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन की अधि ासूचना जारी कर दी है। ये नए नियम 20 फरवरी 2026 से प्रभावी होंगे। संशोधन में पहली बार एआई–जेनरेटेड और सिंथेटिक सूचना की औपचारिक परिभाषा दी गई है, जिसमें ऐसे ऑडियो, वीडियो या ऑडियो–विजुअल कंटेंट शामिल हैं जो कृत्रिम रूप से तैयार किए गए हों लेकिन वास्तविक प्रतीत होते हों।

बाराबंकी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान, कहा–

कयामत तक बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाराबंकी में एक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए बाबरी मस्जिद मुद्दे पर अपने कड़े रुख को दोहराया और कहा कि बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी नहीं किया जाएगा, यहां तक घ्कि कयामत तक भी नहीं। श्री राम जानकी मंदिर में 10वें श्री हनुमान विराट महायज्ञ और श्री रामार्चा पूजन के दौरान बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कथनी और करनी में विश्वास रखती है। योगी ने अयोध या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार जो कहती है वही करती है और जो करती है वही कहती है। हमने कहा था, श्राम लल्ला, हम आएंगे और वहां मंदिर बनाएंगे,श और हमने ठीक वैसा ही किया। बाबरी ढांचे पर अपने रुख को दोहराते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम आज फिर कह रहे हैं, कयामत के दिन तक। और चूंकि वह दिन कभी नहीं आएगा, इसलिए बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण कभी नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि बाबरी ढांचे के पुनर्निर्माण की

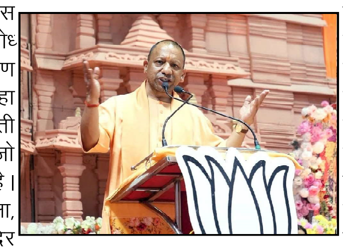

उम्मीद रखने वाले भ्रम में जी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जिन्हें उन्होंने अवसरवादी बताया और कहा कि कुछ लोग भगवान राम को केवल संकट के समय ही याद करते हैं और बाकी समय उन्हें भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को भगवान राम पहले ही भूल चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार, अतीत में राम भक्तों पर गोली चलाने वाले या धार्मिक कार्यों में बाधा डालने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। कानून का सम्मान करने की अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों को श्कयामत के दिनश का इंतजार करने के बजाय भारत के कानूनी ढांचे के अनुसार जीवन जीने पर ध्यान देना चाहिए। योगी ने कहा कि इस देश के कानून का पालन करें। ऐसा करने से आपको लाभ होगा। कानून तोड़ने का रास्ता सीधे सजा की ओर ले जाता है।

साइबर अपराधियों से निपटने के लिए एजेंसियों में समन्वय जरूरी: अमित शाह

नई दिल्ली। साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम बताते हुए गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सभी एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया है। शाह के अनुसार साइबर फ्रॉड अब एक संगठित अपराध का रूप धारण कर चुका है और इससे सभी को मिलकर निपटना होगा। बड़ी संख्या सिम कार्ड, आइएमईआइ नंबर ब्लाक कराने से लेकर साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई रकम को वापस कराने में मिल रही सफलता का हवाला देते हुए उन्होंने राज्यों को हेल्पलाइन नंबर 1930 के लिए पर्याप्त मात्रा में कॉलर बैठाने को कहा ताकि समय पर कार्रवाई से

फ्रॉड की रकम को तत्काल फ्रीज किया जा सके। साइबर–सक्षम धोखाधड़ी से निपटने और इसके इकोसिस्टम को ध्वस्त करने पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने एक ओर तेजी से बढ़ते साइबर फ्राड का आंकड़े दिये तो वहीं उससे निपटने के लिए एजेंसियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

20 हजार करोड़ रुपए के साइबर फ्राड के मामले दर्ज : शाह ने बताया कि 20 हजार करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड के मामले दर्ज किये गए हैं, जिनमें से 8,189 करोड़ रुपये फ्रीज करने या पीडिघ्त को वापस लौटाने में सफलता मिली है। इसी तरह गृह मंत्रालय ने 12 लाख सिम कार्ड को रद्द और तीन लाख मोबाइ के आइएमईआइ को ब्लाक करने के साथ ही 20, 853 आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है।

सुनेत्रा पवार ने संभाला महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री का पदभार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की नेता सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री को राज्य उत्पाद शुल्क, खेल एवं युवा मामले, अल्पसंख्यक विकास एवं औकाफ मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले, पवार ने पदभार ग्रहण करने से पहले प्रभादेवी स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर का दौरा किया और पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर एनसीपी सांसद प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे, महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चकनकर, पार्थ अजीत पवार, श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदानंद सरवंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पवार ने बी. आर. अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। 28 जनवरी को अजित पवार के निधन के बाद यह पद रिक्त हो गया था, जब उन्हें ले जा रहा चार्टर्ड विमान बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में उनके निजी सुरक्षा अधि ाकारी, एक फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलट सहित कई लोगों की जान चली गई।

राहुल गांधी ने जनरल नरवणे का किया समर्थन

कहा– मुझे सेना प्रमुख पर भरोसा है, प्रकाशक पर नहीं

पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के संस्मरण फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर जारी घमासान अब और तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस विवाद में सीधा हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि वह प्रकाशक श्पेंगुइनश के बजाय पूर्व सेना प्रमुख की बातों पर भरोसा करते हैं।

एमएम नरवणे की किताब को लेकर चल रहे विवाद पर कमेंट करते हुए, कांग्रेस ड्च राहुल गांधी ने कहा कि वह और पेंगुइन दोनों सच नहीं बोल सकते और उन्हें पूर्व आर्मी चीफ जनरल पर विश्वास है। उन्होंने मंगलवार को पार्लियामेंट के बाहर रिपोर्टर्स से कहा, ष्या तो मिस्टर नरवणे झूठ बोल रहे हैं या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूर्व आर्मी चीफ झूठ बोलेंगे।ष नरवणे के 2023 के एक ट्वीट का जिक्र करते हुए, जिसमें पूर्व आर्मी चीफ

ने अपनी नई किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश को प्रमोट किया था, राहुल गांधी ने कहा कि उनकी किताब में दिए गए कुछ बयान ष्भारत सरकार और भारत के प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनकष हैं। ष्यहां मिस्टर नरवणे का एक ट्वीट है जिसमें लिखा है, श्बस मेरी किताब के लिंक को फॉलो करें। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने रिपोर्टर्स से कहा मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि या तो मिस्टर नरवणे झूठ बोल रहे हैं या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूर्व आर्मी चीफ झूठ बोलेंगे। पेंगुइन का कहना है कि किताब पब्लिश नहीं हुई है। लेकिन किताब ।उंर्वद पर अवेलेबल है...मुझे पेंगुइन से ज्यादा नरवणे जी पर भरोसा है। क्या आपको नरवणे जी से ज्यादा पेंगुइन पर भरोसा है? मुझे लगता है कि नरवणे जी ने अपनी किताब में कुछ ऐसी बातें कही हैं जो भारत सरकार और भारत के प्रध ाानमंत्री के लिए ठीक नहीं हैं। जाहिर है, आपको तय करना होगा कि पेंगुइन सच बोल रहा है या पूर्व आर्मी चीफ।

क्या है पूरा विवाद?: यह विवाद तब शुरू हुआ जब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने दावा किया कि पुस्तक अभी तक आधिकारिक तौर पर प्रकाशित या वितरित नहीं की गई है और इसके डिजिटल संस्करण का प्रसार गैरकानूनी है। वहीं, राहुल गांधी का तर्क है कि पुस्तक के अंश और इसकी उपलब्धता यह दर्शाती है कि इसे जानबूझकर दबाने की कोशिश की जा रही है क्योंकि इसमें लद्दाख गतिरोध और अग्निपथ योजना जैसे संवेदनशील मुद्दों पर जनरल नरवणे के स्वतंत्र विचार हो सकते हैं।

मणिपुर के नीतनस में फिर भड़की हिंसा

मणिपुर सरकार ने मंगलवार को मणिपुर के उखरुल जिले में पांच दिनों के लिए इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित करने का आदेश दिया है। यह आदेश लिटान के आसपास के गांवों में एक दिन पहले उपद्रवियों द्वारा कई घरों में आग लगाने की घटना के बाद दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर उठाया गया है, जिससे कानून–व्यवस्था की स्थिति और बिगड़ सकती है। आदेश में कहा गया है कि उखरुल जिले में अस्थिर कानून–व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, यह आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग करके ऐसी तस्वीरें, पोस्ट और वीडियो संदेश प्रसारित कर सकते हैं जो जनता की भावनाओं को भड़का सकते हैं और मणिपुर राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने कानून–व्यवस्था की मौजूदा स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन से इसके संभावित संबंध की समीक्षा करने के बाद, एहतियाती उपाय के तौर पर उखरुल जिले के पूरे राजस्व

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का बड़ा दांव

अविश्वास प्रस्ताव पर 119 सांसदों के दस्तखत

नई दिल्ली। मंगलवार को कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया। यह नोटिस विपक्ष के नेता के सुरेश और मोहम्मद जावेद ने प्रस्तुत किया। सूत्रों के अनुसार, अविश्वास प्रस्ताव पर 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस प्रक्रिया में भाग नहीं लिया और हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल नहीं है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1.14 बजे, हमने नियमों और प्रक्रियाओं के नियम 94सी के तहत लोकसभा अध यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव पर लगभग 119 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ये संख्या व्यापक विपक्षी समर्थन को रेखांकित करती है और कथित पक्षपात, बोलने का समय न दिए जाने और सत्र के दौरान व्यवध ानों को लेकर बढ़ती चिंता को दर्शाती है। सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के

खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी ने अध्यक्ष को हटाने की मांग को लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की रणनीति से खुद को अलग कर लिया है। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमने कांग्रेस को सुझाव दिया है कि वह इंडिया ब्लॉक और कांग्रेस की मांगों को लेकर अध्यक्ष से अपील करे और हमने अध्यक्ष को विपक्ष की अपील पर जवाब देने के लिए तीन दिन का समय दिया है। अगर कांग्रेस आज अपील पेश करती है, तो टीएमसी इस पर हस्ताक्षर नहीं करेगी और अगर अध्यक्ष विपक्ष की अपील से सहमत नहीं होते हैं, तो हम अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने संसदीय लोकतंत्र की गरिमा का हवाला देते हुए लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के नेता के लिए अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संस्थागत मर्यादा और संसदीय परंपराओं के सम्मान को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जबकि विपक्ष ने सदन के कामकाज पर चिंता जताते हुए यह नोटिस पेश किया था।

बजट में किसान दूरबीन से ढूंढ रहा राहत

अखिलेश यादव बोले– अमेरिका से डील नहीं, ढील हुई

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र में भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर विदेशी आयात पर निर्भरता बढ़ाकर भारतीय कृषि को संकट में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कृ षि से संबंधित हर चीज विदेश से आयात की जाएगी, तो देश के किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि किसान क्या उगाएंगे, क्या बेचेंगे और अपनी मेहनत की

कमाई से अपने परिवार का भरण–पोषण कैसे करेंगे। यादव ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि बजट आने से पहले और बाद में भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बात हो रही थी। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा की सरकार से जानना चाहता हूं कि कितने देश बचे हैं जिनसे मुक्त व्यापार समझौता नहीं कर पाए हैं। सपा नेता ने दावा किया कि अमेरिका के साथ डील नहीं, ढील हुई है। अगर यही डील होनी थी तो 11 महीने इंतजार क्यों करवाया गया। उन्होंने भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के 18 प्रतिशत शुल्क और अमेरिकी उत्पादों पर भारत में शून्य शुल्क का हवाला देते हुए कटाक्ष किया कि हमारे देश की जनता जानना चाहती है कि शून्य बड़ा है या 18? क्या भाजपा का गणित यह है कि शून्य और 18 बराबर हैं? उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सब कुछ विदेश से आएगा तो देश के किसान क्या उगाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट दिशाहीन है और इसे लेकर कोई दृष्टिकोण नहीं है कि 2047 तक भारत कैसे विकसित बनेगा।

लोकसभा में भारी हंगामा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बोले–

राहुल के लिए कांग्रेस ने गिराई सदन की गरिमा

नई दिल्ली। मंगलवार को विपक्षी सांसदों द्वारा सदन के वेल में विरोध प्रदर्शन करने के बाद लोकसभा को दोपहर 2 बजे तक के लिए फिर से स्थगित कर दिया गया। निचले सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के तुरंत बाद दोपहर 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में हंगामा करने और कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। रिजिजू ने दावा किया कि कई विपक्षी दल केंद्रीय बजट 2026–27 पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा कि आज बजट का समय है,

और हमें इस पर चर्चा करनी चाहिए। मैंने कल भी कांग्रेस से इस पर चर्चा करने को कहा था। डीएमके, समाजवादी पार्टी और तृणमूल के नेता बोलने को तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती। रिजिजू ने विपक्ष से आग्रह किया कि मैं कह रहा हूं कि कांग्रेस ने सदन की गरिमा को पहले ही बहुत गिरा दिया है, और अब इसे और गिरने न दें। बजट पर चर्चा होने दें। किरेन रिजिजू ने कहा कि हमने कांग्रेस पार्टी से हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि बजट पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी बोलने को तैयार नहीं है। वे हर रोज सदन में आकर हंगामा करते हैं। कांग्रेस पार्टी पहले ही संसद की गरिमा को ठेस पहुंचा चुकी है। यह घटनाक्रम विपक्ष के उस आरोप के संदर्भ में सामने आया है कि लोकसभा में विपक्ष के विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दिया।

जिला मेमोरियल चिकित्सालय बलरामपुर में अव्यवस्थाओं का बोलबाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला मेमोरियल चिकित्सालय बलरामपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली लगातार उजागर हो रही है। अस्पताल में अव्यवस्थाओं का ऐसा आलम है कि भर्ती मरीजों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। चिकित्सा कर्मचारी मरीजों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सालय में भर्ती मरीज अनिल कुमार ने बताया कि वह पिछले पाँच दिनों से वार्ड में भर्ती हैं, लेकिन इस दौरान उनकी पट्टी तक नहीं बदली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बार–बार शिकायत करने के बावजूद न तो नर्सिंग स्टाफ सुनवाई करता है और न ही कोई चिकित्सक उनकी समस्या पर ध्यान देता है। मरीज का कहना है कि दर्द और परेशानी के बावजूद उन्हें

भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। अस्पताल की साफ–सफाई व्यवस्था भी बेहद चिंताजनक स्थिति में है। मरीजों और तीमारदारों के अनुसार अस्पताल में लगे आरओ (RO) मशीन के आसपास व्यापक गंदगी देखी जा सकती है, जिससे शुद्ध पेयजल व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं अस्पताल के शौचालयों की स्थिति अत्यंत दयनीय है, जहां चारों ओर गंदगी फैली हुई है और दुर्गंध के कारण मरीजों को भारी असुविधा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला मेमोरियल चिकित्सालय जैसे प्रमुख सरकारी अस्पताल में इस तरह की लापरवाही बेहद गंभीर मामला है। यदि समय रहते अस्पताल प्रशासन ने व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया तो मरीजों की जान तक को खतरा हो सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा अस्पताल में साफ–सफाई, पेयजल और उपचार व्यवस्था को दुरुस्त कराने की मांग की है।

43 साल पुराने वादों को दबाने और सिस्टम से छेड़छाड़ का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में न्यायिक कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितताओं पर डीएम प्रियंका निरंजन ने कड़ा और निर्णायक कदम उठाते हुए उपजिलाधिकारी (न्यायिक) तरबगंज न्यायालय में तैनात रीडर राजेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि न्यायिक व्यवस्था में लापरवाही, मनमानी और सिस्टम से छेड़छाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।डीएम ने बताया कि निलंबित कर्मचारी द्वारा 43 वर्ष पुराने वादों को जानबूझकर लंबित रखा गया,जिससे शासन स्तर पर जनपद की छवि धूमिल हुई। इसके साथ ही वर्ष 1982 में निस्तारित वादों के विरुद्ध प्रस्तुत बाजदायर एवं विलंब माफी प्रार्थना–पत्रों को बिना पीठासीन अधिकारी के किसी

वैध आदेश के पोर्टल पर मूल वाद के रूप में दर्ज कर दिया गया।परिणामस्वरूप ये प्रकरण पोर्टल पर सबसे पुराने वादों की सूची में प्रदर्शित होने लगे, जो गंभीर प्रशासनिक और न्यायिक गड़बड़ी को दर्शाता है।जांच में यह भी उजागर हुआ कि संबंधित पत्रावलियों में न तो आर्डर शीट उपलब्ध थी और न ही कभी प्रकरण पीठासीन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बिना सक्षम आदेश के पोर्टल पर वाद फीड कर तिथियां तय की जाती रहीं। न्यायालयी अभिलेखों के रख–रखाव, पोर्टल अपडेट और न्यायिक कार्यों में की गई घोर लापरवाही के कारण वादों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति पूरी तरह बाधित रही। प्रशासन ने इसे न्यायिक प्रक्रिया को गुमराह करने का गंभीर प्रयास माना है।आदेश में यह भी उल्लेख है कि रीडर द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य किया गया, जिससे उनकी सत्यनिष्ठा पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।निलंबन अवधि में संबंधित कर्मचारी को वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्रावधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा,बशर्ते वह किसी अन्य सेवायोजन,व्यापार या व्यवसाय में संलग्न न होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे।विभागीय जांच के लिए अपर उपजिलाधिकारी द्वितीय को जांच अधिकारी नामित किया गया है।प्रशासन ने दो टूक कहा है कि न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी स्तर की लापरवाही पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Safer Internet Day पर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का आह्वान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। Safer Internet Day के अवसर पर जनपद बलरामपुर में आम

नागरिकों से सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सतर्क डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (DIO) केशव द्वारा बताया गया कि आज के डिजिटल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में इंटरनेट का सुरक्षित और नैतिक उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपना OTP, पासवर्ड अथवा बैंक/व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा केवल अधिकृत (Authorized) वेबसाइट अथवा ऐप से ही किसी भी प्रकार का डाउनलोड करें। अनजान कॉल, संदेश एवं संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करने अथवा cybercrime-gov-in पर शिकायत दर्ज कराने का अनुरोध किया गया। Safer Internet Day हर वर्ष फरवरी माह के दूसरे मंगलवार को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट एवं AI के सुरक्षित, जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्ष 2026 की थीम ÞSmart Tech] Safe Choices – EÛploring the Safe and Responsible use of AIß रखी गई है। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि फेक वीडियो/ऑडियो, संदिग्ध ई–मेल, ऐप्स एवं निवेश ऑफर्स से बचना चाहिए तथा किसी भी सामग्री को साझा करने से पूर्व उसकी प्रामाणिकता अवश्य जांचनी चाहिए। मजबूत एवं अलग–अलग पासवर्ड का उपयोग, नियमित सिस्टम अपडेट और सोशल मीडिया प्राइवेसी सेटिंग्स की जांच जैसे उपाय डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। डॉ. अमित कुमार गौतम, अपर डीआईओ, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), बलरामपुर ने कहा कि इंटरनेट पर साझा की गई जानकारी पूरी तरह से हटाई नहीं जा सकती, इसलिए सोच–समझकर ही कोई भी सूचना साझा करें और सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और एक सुरक्षित डिजिटल समाज की दिशा में योगदान दें।

महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात की तैयारियाँ तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर 15 फरवरी को नगर में निकलने वाली भगवान शिव की भव्य बारात की तैयारियों को लेकर रामलीला मैदान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव ने की। उन्होंने बताया कि शिव नाट्यकला मंडल के तत्वावधान में इस वर्ष 57वाँ वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा, जिसके अंतर्गत परंपरागत रूप से भगवान शिव की बारात धूमधाम से निकाली जाएगी। महामंत्री डॉ. तुलसीश दुबे ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा आस्था और संस्कृति के समागम का प्रतीक होगी, जिसमें दूर–दराज क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए

वॉकी–टॉकी टीम का गठन किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भगदड़ की स्थिति से निपटा जा सके। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को शिव बारात रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर रथों, गाजे–बाजे और आकर्षक झांकियों के साथ नगर भ्रमण करेगी। शोभायात्रा में बारह ज्योतिर्लिंग की झांकी, मां दुर्गा महिषासुर मर्दन झांकी, राम दरबार एवं 'ऑपरेशन सिंदूर' की विशेष झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। परंपरागत मार्ग के अनुसार शोभायात्रा रामलीला मैदान से अंबेडकर तिराहा, वीर विनय चौराहा होते हुए झारखंडी मंदिर पहुंचेगी, जहां भोलेनाथ के दर्शन के बाद पुनः वीर विनय चौराहा से सराय फाटक, सब्जी मंडी, गर्ल्स कॉलेज चौराहा, देवीदयाल तिराहा, बड़े पुल चौराहा, मेन चौक, मेजर चौराहा से होते हुए रामलीला मैदान लौटेगी। यहीं शिव विवाह के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, सुनील कसेरा, अम्बरीष शुक्ला, जय प्रकाश, पप्पू गुप्ता, अभय कसेरा, भानु प्रकाश, अक्षय शुक्ला, अंकित त्रिपाठी, निशांत चौहान, वेद प्रकाश कारुष, अमित त्रिपाठी, ओम मोदनवाल समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर की गई विस्तृत चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में सुरक्षित इंटरनेट दिवस (Safer Internet Day) के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) जयप्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को सुरक्षित तरीके से इंटरनेट का उपयोग करने, इंटरनेट से संबंधित सुरक्षा तकनीकों, साइबर सुरक्षा मानकों एवं सरकार द्वारा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग हेतु जारी किए गए एप्स आदि का प्रयोग करने के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में "Smart Tech] Safe Choices&EÛploring the Safe and Responsible use of AI" थीम के तहत आज सुरक्षित इंटरनेट दिवस (Safer Internet Day) के अवसर पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेफर इंटरनेट हर वर्ष फरवरी के दूसरे

मंगलवार को विश्व भर में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित व जिम्मेदार उपयोग के प्रति संवेदनशील एवं सतर्क बनाना है। इस जागरूकता कार्यशाला के माध्यम से प्रमुख साइबर खतरों और उनके निवारण तकनीक के बारे में लोगों को शिक्षित हुआ जागरूक किया जा रहा है। इसमें एनआईसी एवं अन्य एजेंसियों के सहयोग से राष्ट्रव्यापी स्तर पर जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में हमेशा सतर्क एवं संवेदनशील रहने की जरूरत है क्योंकि डीप फेक वीडियो और क्लोन की गई आवाज़ें वास्तविक दिख सकती है, इसमें भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से पहले विश्वसनीय स्रोतों से अवश्य पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग एवं साइबर सिक्योरिटी की जागरूकता से संबंधित इस तरह के कार्यशाला का एक निश्चित समय अंतराल पर आयोजन किया जाता रहना चाहिए, जिसमें सभी कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाए जिससे वह सुरक्षित इंटरनेट एवं साइबर सुरक्षा के प्रति हमेशा अपडेट रह सकें।जिलाधिकारी ने बताया कि इसी क्रम में पांच दिवसीय AI Impact Summit (16 से 20 फरवरी 2026, नई दिल्ली) के तहत राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश ने सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी अनजाने व्यक्ति को ओ0टी0पी0 अथवा किसी प्रकार की व्यक्तिगत सूचना शेयर न करें, उन्होंने बताया कि सामान्य तौर पर कोई भी वित्तीय अथवा सरकारी संस्थान सीधे तौर पर अपने उपयोगकर्ताओं से इन सूचनाओं को फोन पर नहीं मांगता है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का उपयोग सहज है, सरल है और सुविधा की दृष्टि से उच्च तकनीक का निरंतर प्रयोग हो रहा है और इसे बढ़ावा दिया जा रहा है लेकिन हमेशा सतर्क, संवेदनशील और तकनीकी रूप से जागरूक व अपडेट रहने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रत्येक वर्ष माह फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्व स्तर पर "Safer Internet Day" मनाया जाता है।"Smart Tech] Safe Choices EÛploring the Safe and Responsible use of AI" थीम के तहत इस वर्ष आज दिनांक 10 फरवरी, 2026 को "Safer Internet Day" मनाया जा रहा है। इस अवसर पर इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। इस सन्दर्भ में जनपद स्तर पर एनआईसी द्वारा "Safer Internet Day" का आयोजन सहित जनपद के समस्त सीएससी पर सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग से संबंधित जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक एनआईसी चंद्रशेखर यादव, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विजेंद्र यादव, परियोजना निदेशक विजयंत कुमार सिंह, उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अजय श्रीवास्तव, जिला बांट–माप अधिकारी वीपी वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, जिला कृषि अधिकारी डॉ0 सर्वेश यादव, ईडीएम राकेश सिंह, एनएफई विपिन जायसवाल, प्रबंधक आई रैड विवेक कुमार, प्रशासनिक अधिकारी बद्री प्रसाद सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण व कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

आस्था और सद्भाव का प्रतीक गुरुचिहवा समय माता का मंदिर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पचपेड़वा विकास खंड के गुरुचिहवा समय माता

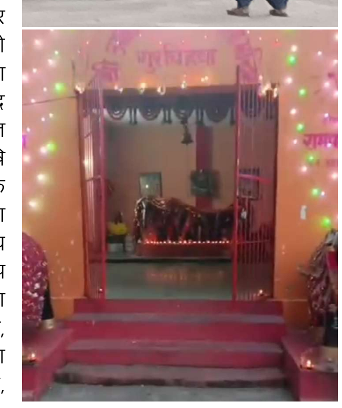

मंदिर आस्था,श्रद्धा और सद्भाव का प्रतीक है जहां हिंदू समाज के साथ मुस्लिम महिलाए भी मनोकामना पूर्ण होने पर प्रसाद चढ़ानेऔर धूपबत्ती जलाने आती है,सोमवार और शुक्रवार को भीड़ भी लगती है।मंदिर के प्रबंधक सतीश चन्द्र मिश्र उर्फ पप्पू ने बताया कि यह मंदिर हम लोगो के पूर्वजों द्वारा स्थापित है,कालांतर में कई लोगो की मनोकामना पूरी होने से आस पास के लोगो का भीड़ मंदिर में मनौती मागने आती है।मंदिर में भंडारा,भजन, कीर्तन,भागवत कथा भी होता रहता है।नेपाल के कई श्रद्धालु यहां पूजा करने आते है। प्रबंधक द्वारा मंदिर परिसर में एक शिव मंदिर भी निर्माणाधीन है,भक्तो के रुकने के लिए एक टीन शेड भी बना है,मंदिर में सी सी टी वी कैमरा भी लगाया गया है।

देहदान महादान : चिकित्सा शिक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल सबलापुर, बहराइच को देहदान के माध्यम से एक केडेवर (मृत शरीर) प्राप्त हुआ, जिससे बी.ए.एम.एस. के नव–प्रवेशित छात्र–छात्राओं को प्रैक्टिकल अध्ययन का अवसर मिला। यह पहल चिकित्सा शिक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है और विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना को प्रत्यक्ष रूप से समझने में सहायता मिलेगी। मानव सेवा की सर्वोच्च मिसाल माने जाने वाले देहदान को "महादान" कहा जाता है, क्योंकि यह केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के जीवन को संवारने का माध्यम बनता है। देहदान के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को मेडिकल शिक्षा और अनुसंधान के लिए समर्पित करता है, जिससे मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र मानव शरीर की बनावट और अंगों की कार्यप्रणाली को व्यावहारिक रूप से समझ पाते हैं। डॉ सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर (रचना शरीर विभाग) के डॉ. देवेश कुमार तिवारी व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार माहिच ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा में वास्तविक मानव शरीर पर अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक होता है। देहदान से भविष्य के डॉक्टरों को सही प्रशिक्षण मिलता है,

जिसके परिणामस्वरूप वे मरीजों को बेहतर उपचार देने में सक्षम बनते हैं। इस प्रकार एक दाता की अंतिम इच्छा अनगिनत लोगों के जीवन को अप्रत्यक्ष रूप से बचाने का कारण बनती है। संस्था के चेयरमैन डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला एवं कॉलेज प्रशासन ने देहदान करने वाले दिवंगत व्यक्ति के परिजनों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय समाज के लिए प्रेरणादायक है, उन्होंने बताया कि इस महादान से अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्राप्त होगी और वे भविष्य में बेहतर चिकित्सक बनकर समाज की सेवा कर सकेंगे। कालेज प्रशासन ने परिजनों को प्रमाण पत्र देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। बी.ए.एम.एस. के छात्र–छात्राओं को शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला, डायरेक्टर पल्लवी शुक्ला, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द्र तिवारी, डॉ. चन्द्र शेखर, प्रशासनिक प्रबंधक विनोद कुमार त्रिपाठी, सौरभ शुक्ला, अरुण यादव समेत बी.ए.एम.एस.के नव प्रवेशित छात्र–छात्राएं मौजूद रहें।

बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर खिलायी गई दवाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेजवापुर के अंतर्गत

सभी विद्यालयों व आंगनवाड़ी केंद्रो पर शिक्षक,एएनएम, आशा व आंगनबाड़ी द्वारा एक वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बच्चों को एलबेंडाजाल की दवा की खुराक खिलाइ गई। सीएचसी अधीक्षक डा. अभिषेक अग्निहोत्री ने बताया गया की आज जिन बच्चों ने किन्हीं कारणों से यह दवा नहीं खाई है उन्हे पुनः 13 फरवरी को होने वाले मपप राउंड में में दवा खिलाई जायेगी साथ ही सभी अभिभावकों से अपील की 13 तारीख को जिन बच्चों को आज दवा नही खिलाई गयी हैं उन्हें जरूर दवा खिलाएं।

एनएच 730 बाइपास निर्माण से जल निकासी बाधित होने की आशंका, मौके पर पहुंची टीम

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार। सिद्धार्थनगर–गोरखपुर राष्ट्रीय

राजमार्ग संख्या 730 के बाइपास निर्माण कार्य के दौरान उस्का बाजार नगर पंचायत अंतर्गत सेखुई वार्ड में मुख्य जल निकासी नाले को बंद किए जाने से क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न होने की आशंका है। सभासद पूनम त्रिपाठी द्वारा जिलाधिकारी से शिकायत करने के बाद प्रशासन व निर्माण संस्था सक्रिय हो गई है। ज़िलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को मौके पर एक टीम पहुंची और वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया। सभासद की आशंका पर सहमति जताते हुए अंडर बाईपास बनवाने का आश्वासन दिया गया है। सभासद ने शिकायत किया था कि बाईपास निर्माण होने से नाला अवरुद्ध हो जाएगा और पूरे वार्ड में बारिश के मौसम में पानी जमा हो सकता है, जिससे जनजीवन प्रभावित होगा। समस्या यहीं तक सीमित नहीं है। बाइपास निर्माण के कारण वार्ड के दो प्रमुख रास्ते भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे वार्ड दो हिस्सों में बंटता नजर आ रहा है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। सभासद ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए पुराने जल निकासी नाले पर पुलिया का निर्माण कराया जाए तथा दोनों प्रभावित रास्तों पर अंडरपास बनाया जाए, ताकि जल निकासी बाधित न हो और लोगों की आवाजाही सुचारु बनी रहे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बरसात के दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं।

तहसील परिसर में अज्ञात पशु के अवशेष मिलने से मचा हड़कंप, पूर्व विधायक ने लगाया साजिश का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील परिसर में

लेखपाल आवास व कैंटीन के समीप अज्ञात पशु के पैर के अवशेष मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह मौके पर तहसीलदार रविकुमार यादव एवं प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव के साथ तत्काल पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष एवं गहन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। निरीक्षण के दौरान राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जनता की सुरक्षा एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में इस समय आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम के बीच एक नंबर बनने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने इस घटना को क्षेत्र में अशांति फैलाने की साजिश बताते हुए एआईएमआईएम पार्टी पर आरोप लगाया कि यह कृत्य उन्हीं लोगों द्वारा कराया गया है। घटना की सूचना पर प्रशासन ने मौके से अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचा गया। अवशेष को सील कर पशु चिकित्सा विभाग को जांच हेतु भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इस दौरान प्रधान संघ अध्यक्ष दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, राजन अग्रहरि, रघुनंदन पाण्डेय, डम्पू पाण्डेय, कमलेंद्र त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी, बब्बू पाठक, शैलेन्द्र रावत, विपुल पाठक आदि मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट से किसी पात्र व्यक्ति का नाम न कटेः रामू यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी कार्यालय

शोहरतगढ़ परिसर में विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायन यादव की अध्यक्षता में बूथ व सेक्टर प्रभारियों की मासिक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें जनता की समस्याओं, पार्टी की रणनीतियों और एसआईआर के तहत मतदाताओं के वोटर लिस्ट में नाम को लेकर चर्चा की गई। समाजवादी पार्टी जिला सचिव रामू यादव ने विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के बूथ सेक्टर प्रभारी और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी बूथ व सेक्टर प्रभारी अपने–अपने क्षेत्र के मतदान बूथ के वोटर लिस्ट की निगरानी जिम्मेदारी से करते रहें। किसी भी पात्र मतदाता का वोटर लिस्ट से नाम कटने न पायें। अगर साजिश के तहत किसी भी मतदाता के नाम को वोटर लिस्ट से काटने की बात सामने आया तो समाजवादी पार्टी न्याय की लड़ाई के लिए कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा की गांव के सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज कराने में बीएलओ का सहयोग करें। इस दौरान समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

सांसद पाल ने कालानमक चावल के निर्यात, वैश्विक ब्रांडिग और किसानों को होने वाले लाभ का उठाया मुद्दा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में अनस्टार्ड प्रश्न संख्या 1691 के माध्यम से कालानमक चावल के निर्यात, वैश्विक ब्रांडिंग और किसानों

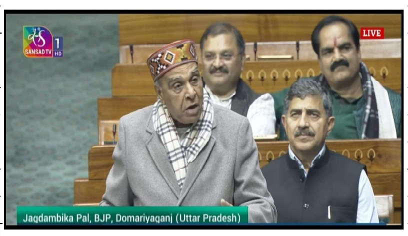

को होने वाले लाभ से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया ।अपने प्रश्न के माध्यम से उन्होंने वर्ष 2012 में जीआई टैग मिलने के बाद से कालानमक चावल के निर्यात का विवरण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके प्रचार–प्रसार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम तथा अन्य स्वदेशी अनाजों को जीआई टैग देने की संभावनाओं पर सरकार से जानकारी मांगी। सरकार ने अपने उत्तर में बताया कि 1 मई 2025 से जीआई मान्यता प्राप्त चावल (जिसमें कालानमक चावल शामिल है) के लिए अलग टैरिफ कोड बनाये गये हैं, जिससे अब इसके निर्यात का अलग–अलग डेटा उपलब्ध हो रहा है। अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच जीआई मान्यता प्राप्त गैर–बासमती चावल का कुल निर्यात लगभग 76कृ95 मिलियन अमेरिकी डॉलर (र663कृ93 करोड़) रहा। सरकार ने यह भी जानकारी दी कि कालानमक चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा द्वारा वित्तीय सहायता योजना, अन्तर्राष्ट्रीय फूड फेयर में प्रदर्शन, अनुसंधान परियोजनाएं, किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सप्लाई चेन स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री पाल ने कहा कि कालानमक चावल पूर्वांचल और तराई क्षेत्र की कृषि पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके निर्यात को बढ़ावा देने से किसानों की आय बढ़ेगी तथा भारत की पारंपरिक कृषि विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी। यह मुद्दा क्षेत्रीय कृषि उत्पादों के वैश्वीकरण और "लोकल टू ग्लोबल" कृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बरघाट मंदिर परिसर में सनातन उद्घोष कथा को लेकर जोरों पर तैयारियां, 14 से 22 फरवरी तक चलेगा आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। बढ़नीचाफा नगर पंचायत स्थित बरघाट मंदिर परिसर में प्रस्तावित सनातन उद्घोष कथा को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। इस भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। कथा का शुभारंभ 14 फरवरी से होगा, जो 22 फरवरी तक

देने के लिए आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नगर पंचायत चेयरमैन धर्मराज वर्मा एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष रामप्रमोद यादव के नेतृत्व में कथा स्थल पर भव्य पंडाल निर्माण, आकर्षक सजावट, उच्च गुणवत्ता की ध्वनि व प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने की सुचारू व्यवस्था के साथ–साथ पेयजल और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण की जा रही हैं। सनातन उद्घोष कथा के माध्यम से सनातन धर्म की महत्ता, सांःतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कथा आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह चरम पर है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त करें। वही मंगलवार को कथा के शुभारंभ अवसर पर 14 फरवरी दिन शनिवार को निकलने वाली दिव्य कलश शोभायात्रा की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। नगर पंचायत चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने भवानीगंज थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के साथ शोभायात्रा के प्रस्तावित रूट का निरीक्षण किया तथा साउपुरा घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम और कलश शोभायात्रा को लेकर नगरवासियों, माताओं–बहनों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। अनुमान है कि कलश यात्रा में डेढ़ हजार से अधिक श्रद्धालु कलश लेकर शामिल होंगे और कथा स्थल पर कलश स्थापना करेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि 14 फरवरी, शनिवार को सुबह 9 बजे, हिंदू शक्ति स्थल श्री दुर्गा मंदिर बरघाट से साउपुरा घाट तक निकलने वाली दिव्य कलश शोभायात्रा में सपरिवार सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य बनाएं।

सूखी खांसी होने पर पिएं ये हर्बल चाय, कर सकती हैं दवा का काम

सूखी खांसी से गले में जलन हो सकती है और सांस लेने में भी तकलीफ हो सकती है। इसके कारण नींद भी प्रभावित होती है। हालांकि, कुछ हर्बल चाय इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं। ये चाय आपके गले को शांत करती हैं और सूजन को कम करती हैं। आइए आज हम आपको सूखी खांसी का इलाज करने वाली पांच हर्बल चाय की रेसिपी बताते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

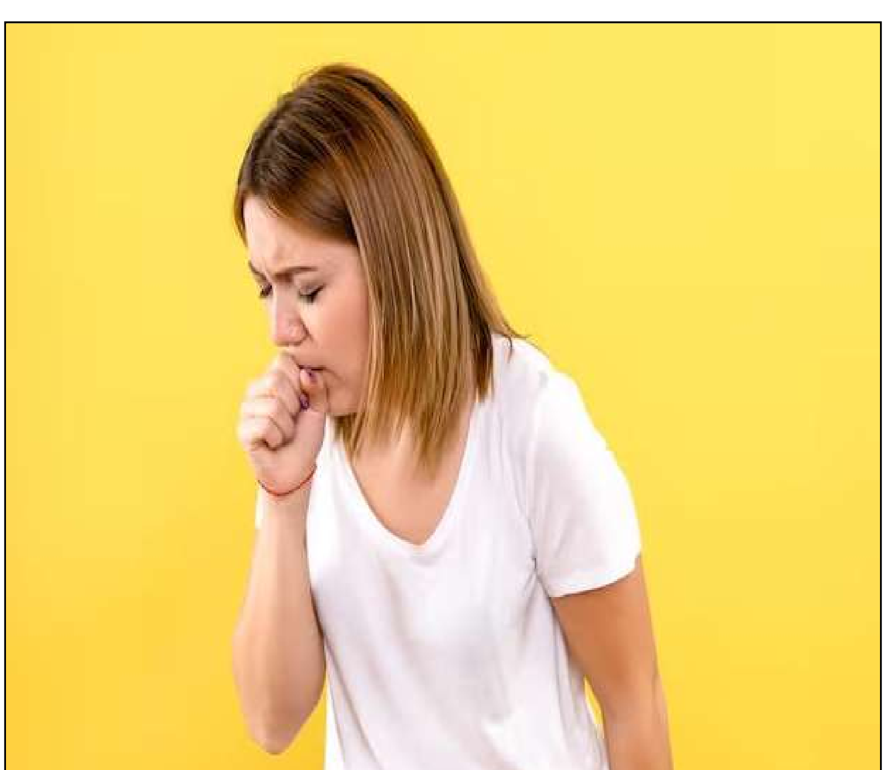

अदरक की चायः अदरक की चाय में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो गले की जलन को कम कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें कटी हुई अदरक डालें और 10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अदरक की चाय पीने से गले की सूजन कम होती है और सांस लेने में आसानी होती है। यह चाय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

तुलसी की चायः तुलसी की चाय में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने वाले गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और 5–7 मिनट तक पकाएं। अब इसमें थोड़ा–सा हल्दी पाउडर डालें और अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। तुलसी की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय में ठंडक देने वाला मेंथॉल होता है, जो नाक बंद होने को खोलता है और सांस लेने में आसानी होती है। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें पुदीने की पत्तियां डालें और 5 मिनट तक पकाएं। अब इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। पुदीने की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है।

शहद और नींबू वाली चाय

शहद और नींबू दोनों ही प्राकृतिक मिठास देते हैं और गले को शांत करते हैं। इसके लिए एक कप गर्म पानी में एक चम्मच शहद मिलाएं, फिर उसमें नींबू का रस डालें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर पिएं। शहद और नींबू की चाय पीने से गले की जलन कम होती है और सूखी खांसी से राहत मिलती है। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

कैमोमाइल चायः कैमोमाइल चाय में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो गले की जलन को कम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में पानी उबालें, फिर उसमें कैमोमाइल फूल डालें और 5 मिनट तक पकाएं। अब इस मिश्रण को छानकर कप में डालें और शहद मिलाकर पिएं। इन सभी हर्बल चाय का सेवन करके आप आसानी से सूखी खांसी से राहत पा सकते हैं।

अपर निदेशक किया ने जनपद की गौशालाओं का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में पशुपालन विभाग की संचालित गौशालाओं के वर्तमान यथा स्थिति जानने के लिए उत्तर प्रदेश शासन से नामित गौशाला के नोडल अधिकारी अपर निदेशक ग्रेट 2 बस्ती मंडल बस्ती डॉक्टर जीवन लाल ने जनपद की गौशालाओं का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण किया। नोडल अधिकारी डॉ जीवन लाल ने अस्थाई गौ आश्रय स्थल रामगढ़, दूल्हा दरम्यानी,पिपरसन,बर्डपुर नंबर 3 और महादेव लाला गौशाला का औचक निरीक्षण करते हुए गौशाला से संबंधित 14 बिंदुओं का निरीक्षण किया। जिसमें गौशाला पर वर्तमान में उपलब्ध भूसा दाना,पशु आहार हरा चारा की उपलब्धता केयर टेकरों की संख्या,उनके मानदेय का भुगतान,अधिकारियों द्वारा समय–समय पर निरीक्षण आख्या,पानी की व्यवस्था, पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था,पोर्टल पर ऑनलाइन फीडिंग की व्यवस्था,गौशाला भुगतान इत्यादि महत्वपूर्ण बिंदुओं की बारीकी से पड़ताल की। नोडल अधिकारी डॉ जीवन लाल ने बताया कि शासन की मंशा है कि 50 गौवंश पशु से कम वाले अस्थाई गौशालाओं को शिट किया जाए और उन पशुओं को नजदीकी बृहद गौ आश्रय स्थल पर पहुंचाया जाए। इस क्रम में अस्थाई गो आश्रय स्थल दूल्हा दरमियां, पिपरसन और बर्डपुर नंबर 3 मे 50 गौवंश से कम की संख्या होने पर संबंधित को पत्राचार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। नोडल अधिकारी ने गौशाला पर पहुंचकर वहां के केयरटेकरों से उनकी समस्या भी सुनी और संबंधित ग्राम सचिव से टेलीफोनिक वार्ता कर उसको त्वरित निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। गौशाला के नोडल अधिकारी के भ्रमण के समय उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नौगढ़ डॉ राजबहादुर यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी बर्डपुर डॉ विनोद पांडे, पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति, अमित यादव भी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले मुसलमान, किसी भी स्तर पर, खुद को हिंदू नहीं मानते। उनके पुरखे हिंदू–सनातनी होंगे, उनके जबरन धर्मान्तरण किए गए होंगे, लेकिन आज का मुसलमान 'जन्मजात इस्लामी' है, जिसका 'हिंदू' होने से दूर–दूर तक का वास्ता नहीं है। बिल्कुल विपरीत ध्रुवों पर स्थित समुदाय हैं। भागवत देश के सभी समुदायों, वर्गों,...

भागवत का 'हिंदू पुराण'

सरसंघचालक मोहन भागवत अक्सर 'हिंदू' को लेकर संबोधित करते रहे हैं। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वैचारिकता भी है। कोई भी संगठन या उसका नेतृत्व अपनी विचारधारा का प्रचार कर सकता है। भागवत का मानना है कि भारत का प्रत्येक नागरिक बुनियादी और आत्मा के स्तर पर 'हिंदू' है। उसकी पूजा–पद्धति भिन्न हो सकती है। यानी मुसलमान, ईसाई, पारसी, यहूदी आदि समुदाय भी 'हिंदू' हैं। यह भारत का समावेशी चरित्र है। हमारे राष्ट्र में 'विविधता में एकता' आज भी बरकरार है और पूरे समन्वय, सौहार्द, स्नेह, भाईचारे के साथ बरकरार है। इसका बुनियादी कारण यह है कि हम समाज और राष्ट्र के तौर पर 'हिंदू' हैं। सरसंघचालक ने चार प्रकार के हिंदू बताए हैं। यह व्यावहारिक नहीं है और 'विविधता में एकता' वाले देश में आध्यात्मिकता का वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। जो हिंदू है, वह हिंदू ही है, बेशक वह अपने 'हिंदूपन' को प्रचारित करे अथवा न करे या 'हिंदू' होने को भूल जाए अथवा 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का उद्घोष करे। संघ प्रमुख के हिंदू वर्गीकरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसे हिंदू विद्वान, मनीषी, राजनेता, समाजसेवी, वैज्ञानिक आदि हुए हैं, जो सोच के स्तर पर 'नास्तिक' थे। वे मंदिर–मठ नहीं जाते थे और न ही नियमित पूजा–पाठ करते थे, लेकिन वे प्रकृति और परब्रह्म की 'शक्ति' को मानते थे। हालांकि उनकी व्याख्याएं भिन्न थीं। जरा सोचो, 'आर्य समाज' की स्थापना क्यों हुई थी? सभी 33 करोड़ देवी–देवताओं के अस्तित्व और सक्रियता को क्यों नहीं मानते? भागवत उन व्याख्याओं से सहमत नहीं हैं। उनका अपना 'थीसिस' है। लेकिन लंबे अंतराल के इतिहासों में ऐसे 'हिंदू' आज भी जिंदा हैं और प्रासंगिक हैं। उन्हें भुलाया नहीं गया। 'गर्व से हिंदू' का नारा लगाने वाले राजनीतिक जमात के लोग हैं। उनका संबंध संघ, भाजपा, विहिप और बजरंग दल से है। यह नारा राम मंदिर आंदोलन के दौरान खूब गूंजा। भारत में जैन, बौद्ध, सिख सरीखे अल्पसंख्यक समुदाय भी हैं, जिनके धर्म और पूजा–पाठ की आस्थाएं अलग–अलग हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी और आत्मिक तौर पर 'हिंदू' माना जाता रहा है। सरकारी दस्तावेजों में भी उन्हें 'हिंदू' के तौर पर दर्ज किया जाता रहा है। दलित, आदिवासी, ओबीसी भी 'हिंदू' हैं। सवाल है कि असली हिंदू कौन है और सोच–विचार के स्तर का हिंदू कौन है? देश के प्रधानमंत्री मोदी ओबीसी हैं, लेकिन उनके स्तर का कर्मकांडी और प्रतिबद्ध, नतमस्तक हिंदू कोई दूसरा नहीं है। भागवत को प्रयास करना चाहिए कि 'हिंदू' की परिभाषा और चरित्र तय किए जाएं, क्योंकि हिंदू सोच तो बड़ी व्यापक है। उसे प्रकारों में व्याख्यायित नहीं किया जा सकता। स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले मुसलमान, किसी भी स्तर पर, खुद को हिंदू नहीं मानते। उनके पुरखे हिंदू–सनातनी होंगे, उनके जबरन धर्मान्तरण किए गए होंगे, लेकिन आज का मुसलमान 'जन्मजात इस्लामी' है, जिसका 'हिंदू' होने से दूर–दूर तक का वास्ता नहीं है। बिल्कुल विपरीत ध्रुवों पर स्थित समुदाय हैं। भागवत देश के सभी समुदायों, वर्गों, धर्मों, मतों, संप्रदायों को 'हिंदू' मानते हैं, क्योंकि देश का नामकरण हिंदू सभ्यता–संस्कृति, इतिहास पर आधारित है, लेकिन हम 'विविधता में एकता' वाले देश हैं। सवाल यह है कि संघ प्रमुख बार–बार हिंदू के मुद्दे पर संबोधित क्यों करते हैं? वह हिंदुत्व की प्रासंगिक चर्चा करते हैं और धर्मान्तरण के विरोधी हैं। बेशक भारत की करीब 80 फीसदी आबादी हिंदू या हिंदूमता है, लेकिन संवैधानिक तौर पर भारत 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है। क्या भागवत उसकी पृष्ठभूमि और प्रस्तावना तैयार कर लोगों के मानस बदलने की कोशिश कर रहे हैं?

डील के कई विरोधाभास

अमरीका से कृषि उत्पाद भारत में आएंगे और गेहूं, ज्वार, जौ, बाजरा, ओट्स, चावल, मक्का आदि बाजार में नहीं आएंगे। डेयरी क्षेत्र में भी अमरीका भारत के बाजार में प्रवेश करेगा, लेकिन हमारे किसान, उद्यमी और एमएसएमई सुरक्षित और संरक्षित रहेंगे। ऐसा आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिया है। व्यापार समझौते का जो मसविदा, ढांचा सामने आया है, बेशक वह अंतरिम है, लेकिन कई विरोधाभासों वाला है। गेहूं, चावल, मक्का, सोयाबीन, पॉल्ट्री, मीट, केला, स्ट्राबेरी, चेरी, हरा मटर, मूंग, काबुली चना, तेल के बीज, तंबाकू, इथनॉल और डेयरी उत्पादों पर अमरीका हमें कोई छूट और रियायत नहीं देगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल दावा कर रहे हैं कि दूध, क्रीम, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर आदि डेयरी उत्पाद अमरीका से भारत में नहीं आएंगे। मसाले भी नहीं आएंगे, लेकिन समझौते के मसविदे, ढांचे में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि दूध, जीएस गेहूं एवं मक्का, सोयाबीन आदि उत्पाद अमरीका भारत में नहीं भेजेगा। समझौते में कई गंभीर विरोधाभास हैं। अर्थात अमरीका हमारे कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अपना कारोबार करेगा। क्या भारतीय किसान अमरीकी किसानों की प्रतिस्पर्द्धा में टिक सकेंगे? अमरीकी किसानों की लागत भारतीय किसानों की तुलना में बहुत कम है, क्योंकि उन्हें अरबों की सबसिडी दी जाती है, जबकि भारतीय सबसिडी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। क्या एसबीआई की रपट बिल्कुल सही, सटीक साबित होगी और भारतीय किसानों, पशुपालकों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ सकता है? बहरहाल मार्च मध्य में जब समझौते का अंतिम मसविदा सार्वजनिक होगा और जिस पर दोनों देशों के प्रतिनिधि हस्ताक्षर करेंगे, तब तक कुछ और संशोधन किए जा सकते हैं, लेकिन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तें तय हो चुकी हैं। लिहाजा सबसे संवेदनशील सवाल यह है कि क्या अमरीका को उन क्षेत्रों में घुसने की अनुमति दे दी गई है, जिन पर भारत सरकार साफ इंकार करती रही है? एक बार अमरीकी उत्पादों का भारत में सैलाब आएगा, तो फिर वह रुकने वाला नहीं है? क्या भारत सरकार अमरीकी कृषि और डेयरी उत्पादों पर इतना टैरिफ लगा सकती है कि वे भारतीय बाजार में, हमारे किसानों के साथ, प्रतिस्पर्द्धा करने में पिछड़ जाएं? समझौते के मसविदे से तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता। बहरहाल अभी तो हमें प्रधानमंत्री मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयानों और दावों पर भरोसा करना चाहिए। रूस के कच्चे तेल से जुड़ी अमरीका की चेतावनी भी बेहद गंभीर है। सवाल है कि भारत किस देश से, कितना तेल–गैस आदि, खरीदता है, इस संप्रभु निर्णय में अमरीका का दखल क्यों होना चाहिए? राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा प्रशासनिक आदेश भी जारी कर दिया है कि यदि भारत, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, रूस से तेल खरीदता पाया जाता है, तो उस पर 25 फीसदी पेनल्टी टैरिफ एक बार फिर लगाया जा सकता है। इस बिंदु पर भारतीय वार्ताकार सहमत क्यों हुए? रूस भारत का पुराना और आजमाया हुआ मित्र–देश है। भारत ने जनवरी, 2026 में भी रूस से 251 टन तेल प्रतिदिन खरीदा है। बेशक भारत ने रूसी तेल की खरीद कम की है, लेकिन यह भी गौरतलब तथ्य है कि रूसी तेल खरीदने से भारत को बीते 40 माह में 1.53 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है।

आग की घटनाएं रोकने को जलस्रोतों का रखरखाव जरूरी

अतः इस समय बड़े पैमाने पर जंगलों में जलाशय बनाने की जरूरत है। उन्नीसवीं शताब्दी में ही जब अंग्रेजी हुकूमत ने कुमाऊं–गढ़वाल के पर्वतीय क्षेत्रों में वनों पर सरकारी स्वामित्व स्थापित करने के प्रयास किये तो ग्रामीणों ने इसका विरोध करना प्रारंभ कर दिया। इन आंदोलनों के चलते 1930 में जनता से समझौते के तहत पंचायती वन प्रणाली लागू की गयी थी। विडंबना यह कि अंग्रेजों के समय की ...

जलवायु बदलाव व इंसानी हस्तक्षेप से हिमालयी जंगलों में आग लगने से वन संपदा व जीवों के साथ मानवीय क्षति भी हो रही है। जाड़ों में आग लगना और गंभीर मामला है। आग तुरंत नहीं बुझायी जा सकती। ऐसे में वन पंचायतों की मजबूती व जलस्रोतों का बेहतर रखरखाव जरूरी है। उत्तराखंड के पहाड़ों में पिछले साल दिसम्बर माह में गढ़वाल मंडल में टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग व चमोली के जंगलों में आग लगने की खबरें आने लगी थीं। उस समय जोशीमठ, बदरीनाथ व केदारनाथ के वन क्षेत्रों में भी आग लगी थी। केदारनाथ सेंक्चुरी व बागेश्वर के ग्लेशियर्स वन क्षेत्र भी प्रभावित हुए थे। जनवरी, 2026 के आखिरी सप्ताह तक जब तक हल्की बारिश और हिमपात नहीं हुआ था, छिटपुट वनाग्नियां लगती रहीं। अब फिर इस माह यानी फरवरी में खासकर कुमाऊं में चीड़ बहुल क्षेत्रों में आग लगने की खबरें आ रही हैं। ऐसे में जब देश में फायर सीजन निचले इलाकों में फरवरी के बाद ही माना जाता है तो मौसम बदलाव के दौर में जाड़ों के माह की दावाग्नियों को गंभीरता से लेना चाहिए। ठंड के दिनों में जंगल की आग की घटना में ग्रामीण रात–रात भर जागकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हिमालयी दुर्गम क्षेत्रों में जाड़ों में पहुंचना ज्यादा मुश्किल हो जाता है। जनवरी, 2016 में कई जगहों पर जंगलों में आग लगी थी। इस तरह से

जंगलों में जाड़ों में लगने वाली आगों से निपटने की कोई तैयारी नही थीं। हालांकि, उस समय कई सौ करोड़ रुपयों की राज्य जलवायु बदलाव कार्य योजना लागू थी। वर्ष 2017 में ही उत्तराखंड वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों का कहना था कि सभी वन प्रभाग अपनी–अपनी कार्ययोजनायें उत्तराखंड स्टेट क्लाइमेट चेंज एक्शन प्लान के व्यवहारों व पद्धतियों के अनुरूप बनायेंगे। ऐसा हुआ होता तो जाड़ों की वनाग्नियां लगातार बढ़ती न रहतीं। सवाल है कि 2014 के बाद जो स्टेट क्लाइमेट चेंज एक्शन प्लान राज्य में जारी है, और जिसकी नोडल एजेंसी वन विभाग ही है, वह वनाग्नि कम करने में नाकारा क्यों है? मध्य भारत व पूर्वोत्तर के राज्यों में देश की करीब तीन–चौथाई जंगलों में आग लगने की घटनायें होती हैं। जब मध्य फरवरी से ही सामान्य फायर सीजन शुरू हो जाता है, तो जनवरी में वैसे भी फायर लाइन खींचने, नीचे गिरे झाड़–झंखाड़ और पत्तियों को जमा करने के लिए वन कर्मी मौजूद रहते हैं। ऐसे में मानवीय असावधानियों या जानबूझकर आग लगाने पर रोक तब भी लगाई जा सकती है। वर्ष 2016 में उत्तराखंड में व्यापक पैमाने पर जंगलों में आग लगी थी। उस समय नैनीताल हाईकोर्ट के निर्देशानुसार वनाग्नि आपदाओं के प्रबंधन के लिए गांव स्तर पर भी कमेटियां गठित करनी थीं। लेकिन एक याचिका के जरिये हाईकोर्ट के संज्ञान में लाया गया कि 2021 अप्रैल तक भी ग्रामस्तरीय कमेटियां गठित नहीं हुईं। दरअसल देश में उत्तराखंड की पहचान उन राज्यों में होती है, जहां वनाधिकार कानून लागू करने में उदासीनता रही है। मोटर मार्ग भी जलते जंगलों की चपेट में आ जाते हैं। स्कूल जाने के एक–तिहाई रास्ते आग संभावित जंगलों से गुजरते हैं। वहीं स्मॉग से आंख, नाक व फेफड़ों के रोग भी बढ़ जाते हैं। जंगलों की आग का प्रबंधन और रोकथाम राज्यों का विषय है। हर राज्य की दावानलों के प्रबंधन की अपनी कार्ययोजना होती है। वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की लगभग पचास हजार हेक्टेयर भूमि वनाग्नियों की भेंट चढ़ चुकी है। राज्य का 38000 वर्ग किलोमीटर यानी 71 प्रतिशत क्षेत्र जंगल का है। दरअसल, मौसम में बदलाव को भी वैज्ञानिक जंगलों में आग लगने का कारण मानते हैं। मार्च से तो जंगलों में आग लगना स्वाभाविक ही मान लिया जाता है। इस बार जाड़े के माह सूखे ही रहे। वैसे जंगलों की आग या तो बरसात से बुझती है या फिर ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से। कई बार इन प्रयासों में ग्रामीण केवल झुलसते ही नहीं हैं, बल्कि मृत्यु भी हो जाती है। वर्ष 2015 में आग बुझाने के प्रयास में दो महिलाएं मरी थीं। मई, 2009 में पौड़ी में वनों में लगी आग बुझाने की कोशिश के दौरान आठ ग्रामवासियों ने प्राणों की आहुति दी थी। असल में जहां अवैध शराब की भट्टियां हों, कटान हो रहे हों या वन तस्कर दुर्लभ जानवर मारने को आग जलाये हों, वहां आग बुझाने जाना स्थानीय जन के लिए खतरनाक हो जाता है। आग लगने के लक्षण बताते हैं कि पहाड़ों में जंगलों के जलस्रोत सूखते जा रहे हैं। कम बर्फ के चलते ऊंचाइयों पर ज्वलनशील चीड़ की पहुंच बढ़ती जा रही है। बाघ, तेंदुआ जैसे जंगली जानवर और तराई के जंगलों में हाथी भी पानी की तलाश में भी जंगलों से बाहर निकल रहे हैं।

यूजीसी मामले में भूमिका निभाने वाली मशहूर वकील इंदिरा जयसिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सामान्य वर्ग को किसी स्कालरशिप की क्या जरूरत। वे सब तो बहुत पैसे वाले हैं। मैडम एक बार गांवों में जाकर ही देख आतीं। गांवों में न सही, तो दिल्ली शहर में ही एक सर्वे कर लेतीं कि तमाम सोसायटियों के चौकीदार, मेहनत–मजदूरी करने वाले, ई–रिक्शा चलाने वाले किस...

समतामूलक समाज लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त

कानून का स्वरूप प्राकृतिक न्याय वाला होना चाहिए। उसे जाति, लिंग, धर्म के आधार पर न्याय नहीं करना चाहिए। लेकिन सरकारें चूंकि वोट के बहुसंख्यक वाद से चलती हैं, इसलिए हर नीति और कानून वह बनाती हैं, जिससे उन्हें अधिक से अधिक वोट मिलें। यूजीसी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बारे में ऑनलाइन न जाने कितना कुछ पढ़ा, कितने वीडियो और रील्स देख चुकी। सब लोग अपनी–अपनी तरह से बातें कह रहे हैं। बचपन से घर में सुनती आई हूं कि जातिवाद बहुत खराब चीज है। इससे हर हालत में मुक्ति पाई जानी चाहिए। ऐसे बहुत से बच्चों को अपने ही घर में पढ़ते–लिखते देखा, अच्छी नौकरियों पर जाते देखा है, जिन्हें तथाकथित निचली जाति कहा जाता है। इन्हें यहां तक पहुंचाने में बड़े भाई की बहुत भूमिका थी, क्योंकि वह दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे। उस समय जाति तोड़क आंदोलन भी चलते थे, लेकिन आज इनका कहीं नाम भी सुनाई नहीं देता। यद्यपि पढ़े–लिखे तबके में इस बात पर आम सहमति है कि जाति को खत्म होना चाहिए। सभी को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए, लेकिन जातिगत विमर्श नहीं चाहते कि जाति खत्म हो। क्योंकि उन्हें लगता है कि इसी के आधार पर वे सरकार की नीतियों में अपनी जगह बना सकते हैं। अधिक से अधिक हिस्सेदारी पा सकते हैं।

नब्बे के दशक में जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गई थीं, तब भी ऐसा आंदोलन हुआ था, लेकिन वह बहुत दिनों तक नहीं चला। सामान्य वर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया। तब देश ने भूमंडलीकरण की तरफ अपने कदम बढ़ाए। तमाम बड़ी कम्पनियां आईं। जिन लोगों के लिए सरकारी नौकरियां नहीं थीं, वे उधर चले गए और अवसरों की जो कमी कही जा रही थी, वह उतनी नहीं रही। बड़ी संख्या में लोग विदेश चले गए। बताया जाता है कि भारतीय सबसे अधिक पैसा अपने देश में भेजते हैं।

देश की आर्थिकी को बढ़ाने में विदेशों में रहने वाले इन भारतीयों का बड़ा योगदान है, जिसका सेहरा अधिकांश राजनेता अपने सिर बांधते हैं। एक तरफ तो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण लाखों की नौकरियां जा चुकीं या जाने वाली हैं। अब नौकरी जाने का आधार यह भी नहीं रहा कि आप कितने मेहनती हैं। किसी कम्पनी की ग्रोथ में आपका कितना योगदान रहा। कम्पनियों को बढ़ाने में आपने चौबीस सात के हिसाब से काम किया। बल्कि रोबोट ही लाटरी के आधार पर फैसला कर रहे हैं कि किसे रखना है, किसे निकालना है। एआई के जन्मदाता ज्योफ्री हिंटन बार–बार कह रहे हैं कि इससे नब्बे प्रतिशत नौकरियां चली जाएंगी। दुनिया की किसी सरकार के पास बेरोजगारों की इतनी बड़ी फौज से निपटने की कोई योजना नहीं है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने ही कुछ दिन पहले कहा था कि बीस साल बाद लोगों के पास करने के लिए कुछ नहीं बचेगा। लोग सिर्फ शौकिया ही काम करेंगे। ऐसे में यदि विकास के लिए आप पुराने औजारों को ही धार दे रहे हैं तो वे नहीं चलने वाले। अपने देश में नौकरियों में लगातार आरक्षणवाद का बढ़ना लोगों को शंकित करता है। लोग खुद कितनी भी तकलीफ झेल लें, लेकिन यदि उनके बच्चों पर कोई बात आती है तो वे इसे नहीं सह सकते। यूजीसी गाइडलाइंस ने यही किया। लोगों को लगा कि अब तक तो नौकरियों पर ही खतरे थे, अब उनके बच्चे पढ़ भी नहीं सकते। वैसे भी दशकों से सामान्य वर्ग कहे जाने वाले लोगों के लिए सरकारों के पास कोई योजना नहीं है। दस प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण से भी कितने लोगों को नौकरियां मिली हैं। भारत सरकार की ही रिपोर्ट कहती है कि सामान्य वर्ग कहे जाने वाले लोगों में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। लेकिन अपनी ही रिपोर्ट से शायद सरकारों ने आंखें मूंद रखी हैं। जिस लोकतंत्र की दुहाई हम हर रोज देते हैं, वह दरअसल संख्या का खेल है, जिसका जितना वोट, उसे पाने के लिए उतनी ही सरकारी योजनाएं। जितनी जिसकी संख्या भारी, उतनी उसकी हिस्सेदारी। किसी विदेशी विद्वान ने कहा था कि लोकतंत्र एक सतत युद्ध है, जो दिखाई भी देता है। आम शहरी मध्यवर्ग ने सरकार के नारे कि हम दो हमारे दो को अपना लिया। आज तो यह और बढ़कर, हम दो हमारा एक हो गया है। ऐसे में सामान्य वर्ग की आबादी कम भी होती गई है। बढ़ता शहरीकरण भी इसका एक कारण है। कई वीडियो और रील्स ऐसी देखीं, जिसमें लोग यही कह रहे हैं कि सारी जिम्मेदारी हमारी ही क्यों है। हम ही टैक्स दें। हम ही कम से कम बच्चे पैदा करें और हमारी कम आबादी के कारण केंद्र और राज्य की सरकारें हम से मुंह मोड़ लें। ऐसे में एक वर्ग छला हुआ महसूस कर रहा है। देश में चालू विमर्शों, जैसे स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, ओबीसी विमर्श आदि के कारण बहुत से ऐसे कानून बने हैं, जहां एक बार शिकायत करते ही आरोपी को अपराधी बना दिया जाता है। उसे जेल भेज दिया जाता है। सुनवाई भी कहीं नहीं होती। कुछ साल पहले उच्चतम न्यायालय ने यही तो कहा था कि दलित एट्रोसिटीज एक्ट के अंतर्गत शिकायत हो, तो किसी को तुरंत न पकड़ा जाए, पहले जांच की जाए। इस बात पर बहुत से संगठनों ने हल्ला मचाया और न्यायालय के इस निर्णय को सरकार ने पलट दिया। आखिर बिना जांच के कि किसी ने अपराध किया है या नहीं, किसी को जेल भेज देना किस कानून में लिखा है। किस लोकतांत्रिक मूल्य को पुख्ता करता है। दहेज निरोधी कानून के अंतर्गत भी आरोप लगाते ही पकड़ लिया जाता है। दुनिया में कहीं भी इस तरह के एकपक्षीय कानून नहीं हैं।

अमेरिका से भारत की ट्रेड डील पर आया रूस का बयान, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव बोले,सस्ता तेल खरीदने से रोक रहा है अमेरिका

अमेरिका से भारत की ट्रेड डील के बाद रूस सरकार की ओर से किसी बड़े मंत्री की यह पहली आधिकारिक टिप्पणी मानी जा रही है, जिसमें रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने खुलकर कहा है कि वाशिंगटन भारत सहित कई देशों को सस्ते रूसी तेल की खरीद से रोकने की कोशिश कर रहा है। एक टीवी साक्षात्कार में लावरोव ने आरोप लगाया कि अमेरिका प्रतिबंध, टैरिफ और तरह तरह के रोक लगाने वाले कदमों के जरिये देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूसी ऊर्जा से दूर हो जाएं और महंगी अमेरिकी आपूर्ति लें।

लावरोव ने कहा कि यह केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि दबाव की राजनीति है जिसका लक्ष्य वैश्विक आर्थिक दबदबा बनाना है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन मसले पर बातचीत के दौरान रूस ने अमेरिकी प्रस्ताव को महत्व दिया था और आगे व्यापक सहयोग की उम्मीद रखी थी, लेकिन हालात उलट दिशा में जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं और खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां हो रही हैं जो समुद्री कानून की भावना के खिलाफ हैं।

रूसी मंत्री ने कहा कि यूरोप को पहले ही रूसी ऊर्जा से दूर किया जा चुका है और अब भारत तथा अन्य भागीदार देशों को भी सस्ती आपूर्ति से काटने का प्रयास है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका चाहता है कि देश महंगी अ म` रि क ी एलएनजी और अन्य ऊर्जा स्रोत खरीदें, भले ही वह उनके आर्थिक हित के खिलाफ हो। लावरोव ने यह भी कहा कि

रूस भारत, चीन, इंडोनेशिया और ब्राजील जैसे देशों की तरह सभी के साथ सहयोग के लिए खुला है, जिनमें अमेरिका भी शामिल है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि लेकिन खुद अमेरिकी नीतियां रास्ते में कृत्रिम रुकावटें खड़ी कर रही हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि रूसी तेल पर भारत ने अपनी स्थिति दोहराते हुए कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति केवल राष्ट्रीय हित से संचालित होगी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि भारत की प्राथमिकता पर्याप्त उपलब्धता, उचित कीमत और भरोसेमंद आपूर्ति है। भारत ने यह साफ किया कि वह बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को देखकर स्रोतों का विविधीकरण करेगा।

दरअसल, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाये गये अतिरिक्त टैरिफ हटाने के फैसले के बाद यह अटकलें तेज हुईं कि क्या भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद घटाएगा? हालांकि नई दिल्ली ने न तो खरीद रोकने की पुष्टि की है और न ही इन खबरों को पूरी तरह खारिज किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी फैसले इसी कसौटी पर होंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका का आरोप है कि रियायती रूसी तेल की खरीद से मास्को को यूक्रेन युद्ध के लिए संसाधन मिलते हैं। इस पर भारत का रुख रहा है कि वह अपने उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था के हित को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेगा।

देखा जाये तो ऊर्जा आज की दुनिया में सामरिक शक्ति का मूल आधार है। जो देश तेल और गैस की धार को मोड़ सकता है, वह कई बार गोलियों के बिना भी दबाव बना सकता है। ऐसे में अगर अमेरिका सचमुच बाजार के नाम पर दबाव की राजनीति कर रहा है तो यह मुक्त व्यापार के दावे पर खुद सवाल खड़ा करता है। भारत के लिए यह पल कसौटी का है। एक तरफ पश्चिमी दबाव, दूसरी तरफ सस्ती आपूर्ति से मिलने वाली राहत। भारत के लिए महंगा ईंधन सीधे महंगाई, उद्योग लागत और आम जन के जीवन पर असर डालता है। इसलिए ऊर्जा फैसले भावनाओं से नहीं, कठोर गणना से होंगे। यही परिपक्व विदेश नीति का संकेत भी है।

सामरिक नजर से देखें तो रूसी तेल ने भारत को छूट दी है कि वह अपनी रिफाइनरी क्षमता का पूरा उपयोग करे और निर्यात भी बढ़ाए। इससे विदेशी मुद्रा आय और कूटनीतिक लचीलापन दोनों मिले हैं। अगर यह विकल्प अचानक सीमित होता है तो भारत को पश्चिम एशिया, अफ्रीका और अमेरिका से महंगी खरीद करनी पड़ेगी, जिससे व्यापार घाटा बढ़ सकता है।

दूसरी ओर अमेरिका के साथ गहरे होते रिश्ते भी भारत के लिए अहम हैं। रक्षा, तकनीक और निवेश में सहयोग की जरूरत है। इसलिए नई दिल्ली को रस्सी पर चलने वाले खिलाड़ी की तरह संतुलन साधना होगा। खुले टकराव की जगह चुपचाप विविधीकरण, दीर्घकालिक करार और भंडारण क्षमता बढ़ाना समझदारी होगी। भारत को अपने हित को केंद्र में रखकर बहुध्रुवीय ऊर्जा रणनीति बनानी होगी, जहां कोई एक देश नल बंद कर पूरी अर्थव्यवस्था को बंधक न बना सके।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का यू–टर्न, पीसीबी चीफ ने क्यों लिया सेना प्रमुख आसिम मुनीर का नाम?

पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के अपने फैसले से पीछे हटते हुए, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर का नाम लेकर एक और विवाद खड़ा कर दिया। कई लोगों का मानना घ्है कि नकवी के शब्दों का मकसद क्रिकेट भावना को सैन्य संकेत में बदलना है। पाकिस्तान के गृह मंत्री भी रहे नकवी ने सैन्य नेतृत्व को इस बातचीत में घसीटा, जिसे विश्लेषक क्रिकेट विवाद को नागरिक–सैन्य टकराव का मुद्दा बनाने की कोशिश मानते हैं।

15 फरवरी को गतिरोध के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए नकध्वी ने कहा कि पाकिस्तान दृढ़ संकल्पित है और दबाव से नहीं डरता। नकध्वी ने कहा कि

न तो मैं भारत और आईसीसी की धमकियों से डरता हूँ, न ही पाकिस्तान सरकार डरती है, और जहाँ तक फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की बात है, आप उनके बारे में पहले से ही जानते हैं, वे कभी नहीं डरते। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पाकिस्तान के हालिया इतिहास में एक प्रमुख सैन्य हस्ती हैं।

मई 2025 में, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के साथ तीव्र सीमा संघर्ष के बाद, इस्लामाबाद मंत्रिमंडल ने जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया, जो देश का सर्वोच्च सैन्य पद है। अयूब खान के बाद इतिहास में यह पद पाने वाले वे दूसरे व्यक्ति थे। यह पदोन्नति संघर्ष के पाकिस्तान के अपने आकलन के बाद हुई, जिसे इस्लामाबाद ने अपनी रक्षा क्षमता की परीक्षा बताया। 2025 में भारत–पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान मुनीर के नेतृत्व को पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक रूप से उजागर किया गया और घरेलू स्तर पर इसे शक्ति के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान अब अपने इस फैसले के लिए श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश के अनुरोध को जिम्मेदार ठहरा रहा है। पाकिस्तान, जिसे अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं, अगर मैच से हट जाता तो उसे दो अंक गंवाने पड़ते और साथ ही टूर्नामेंट को भी गंभीर झटका लगता, क्योंकि भारत–पाकिस्तान का मुकाबला क्रिकेट का सबसे बड़ा ब्लॉकबस्टर मैच माना जाता है।

टी20 विश्व कप : सूर्यकुमार यादव की टीम की मांग खारिज, बीसीसीआई ने Family Policy पर दिखाए कड़े तेवर!

मौजूदा चौंपियन भारत, श्रीलंका के साथ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की सह–मेजबानी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टी20 टीम ने मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके परिवार को भी साथ यात्रा करने की अनुमति दी जाए। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया है, लेकिन भारतीय बोर्ड की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पिछले साल, बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से 1–3 की हार के बाद, बीसीसीआई ने संशोधित यात्रा नीति लागू की थी, जिसके तहत 45 दिनों से अधिक के दौरों के लिए परिवार के सदस्यों के ठहरने की अधिकतम अवधि दो सप्ताह तय की गई थी। छोटे दौरों के लिए यह

अवधि सात दिनों तक सीमित थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी लंबे विदेशी दौरों के दौरान क्रिकेटरों के परिवारों की उपस्थिति सीमित करने के बीसीसीआई के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को यह समझना चाहिए कि वे छुट्टी पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य पर हैं। गंभीर ने जुलाई 2025 में कहा था कि परिवारों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां एक उद्देश्य के लिए हैं। यह छुट्टी नहीं है। आप यहां एक बहुत बड़े उद्देश्य के लिए हैं। उस ड्रेसिंग रूम में या इस दौरे पर बहुत कम लोग ऐसे हैं जिन्हें देश को गौरवान्वित करने का यह अवसर मिलता है। ग्रुप ए के अपने पहले मैच में भारतीय टीम ने अमेरिका को 29 रनों से हराया, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मात्र 49 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की मैच–विनिंग पारी खेली। अब, भारतीय टीम 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए दिल्ली में है। इसके बाद वे 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित विश्व कप मैच खेलने वाले हैं, और फिर 18 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप–स्टेज मैच के लिए अहमदाबाद रवाना होंगे।

बास डी लीड का ऑलराउंड धमाल, नीदरलैंड्स ने नामीबिया को 7 विकेट से रौंदा

मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2ध्20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार

नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1ध्13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40ध्1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी–ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फ्रायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

मध्य ओवर बास डी लीड और लोगान वैन बीक (3 ओवर में 2ध्13) के नाम रहे, जिन्होंने मिलकर चार विकेट लिए। डी लीड ने खतरनाक गेरहार्ड इरास्मस और जेजे स्मिट को आउट किया। नामीबिया अंततः 20 ओवर में 156ध्8 के प्रतिस्पर्धी लेकिन कम स्कोर पर समाप्त हुआ। मैक्स ओश्डॉउड के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज के हाथों जल्दी आउट होने के बावजूद, डच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माइकल लेविट (15 गेंदों में 28 रन) ने जल्दी बल्लेबाजी करते हुए आउट हो गए, जिससे नीदरलैंड्स का स्कोर छह ओवरों में 50ध्2 हो गया।

इसके बाद, बास डी लीड का जलवा रहा। कॉलिन एकरमैन (28 गेंदों में 32 रन) के साथ साझेदारी करते हुए, डी लीड ने संयम से पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाने लगे। उन्होंने मात्र 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि एकरमैन लॉफ्टी–ईटन के हाथों आउट हो गए, लेकिन परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं था। डी लीड (48 गेंदों में 72′) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (9 गेंदों में 18′) ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक शानदार चौके के साथ मैच समाप्त किया।

राजीव शुक्ला ने आईसीसी को दिया धन्यवाद, कहा– पाकिस्तान विवाद का निकला बहुत अच्छा Solution

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने 'बहुत अच्छा समाधान निकाला' जिसके कारण पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार वापस ले लिया। बांग्लादेश

और श्रीलंका के आग्रह के बाद पाकिस्तान सरकार ने बहिष्कार की अपील वापस लेने का फैसला किया जिसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। राजीव शुक्ला ने आईसीसी अध्यक्ष को आभार व्यक्त किया शुक्ला ने पत्रकारों से कहा, ''मैं बीसीसीआई की तरफ से आईसीसी अध्यक्ष (जय शाह) और उसके पदाधिकारियों का बहुत अच्छा समाधान निकालने के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा के बाद और सभी पक्षों की बात सुनने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

'' उन्होंने कहा, ''यह फैसला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। क्रिकेट जारी रहना चाहिए और अब विश्व कप को बड़ी सफलता मिलेगी। जहां तक आईसीसी का सवाल है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी आईसीसी की प्रशंसा की है। उसने सभी पक्षों की बात सुनी और सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया।'' शुक्ला ने आगे कहा, ''आखिर में क्रिकेट सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सभी के लिए महत्वपूर्ण है।'' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने ढाका में बयान जारी किया था जिसमें पाकिस्तान से बहिष्कार वापस लेने की अपील की गई थी। इसके बाद यह तय हो गया था कि पाकिस्तान बहिष्कार वापस ले लेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी फोन पर बात की, जिन्होंने उनसे टीम को मैच खेलने की अनुमति देने का आग्रह किया था।

पाकिस्तान के यू–टर्न के बाद सौरव गांगुली का बड़ा बयान, टी20 विश्व कप में भारत से जीतना मुश्किल

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए

गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चौंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है। आईसीसी ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी और बीसीबी के साथ बैठक की, जिसमें कोलंबो में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की गई। इसके बाद, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सोमवार को पाकिस्तान से 15 फरवरी को भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच खेलने का आग्रह किया।

होटल ढाबों की सघन चेकिंग, बाल श्रम मुक्त बनाने को लेकर चला जन–जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन द्वारा संचालित ऑपरेशन रक्षा अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में ।भ्ज थाना जनपद सोनभद्र द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत मंगलवार को मानव तस्करी, अनैतिक देह व्यापार एवं बाल श्रम की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न होटल/ढाबों की सघन चेकिंग की गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा बाल श्रमिक नहीं पाया गया। जिन होटल/ढाबों पर बार–बार की गई चेकिंग के उपरान्त बाल श्रमिक न पाए जाने पर उन्हें "बाल श्रम मुक्त" का पम्पलेट चस्पा किया गया। इसी क्रम में आमजन को बाल श्रम उन्मूलन, मानव तस्करी एवं महिला/बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1076, 1098, 102 एवं 108 के संबंध में जानकारी दी गई।

डीएम ने की फार्म रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा बैठक संबंधित अधिकारियों को दिए कड़ी निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित फार्मर रजिस्ट्री अभियान की स्थिति का मूल्यांकन करना तथा निर्धारित समय–सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण कराने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश देना रहा।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री को शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।उन्होंने स्पष्ट कहा कि फार्मर रजिस्ट्री से किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त होना है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। डीएम ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी इस कार्य को विशेष संज्ञान में

लेते हुए शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य समयबद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित होना चाहिए।इसके लिए राजस्व, कृषि, पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच आपसी समन्वय आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर कैंप आयोजित कर किसानों का पंजीकरण कराया जाए तथा जिन किसानों का पंजीकरण अभी शेष है, उन्हें जागरूक कर शीघ्र रजिस्ट्री कराई जाए।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने प्रगति रिपोर्ट की विस्तार से जानकारी ली और जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों को त्वरित सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि फार्मर रजिस्ट्री में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए,ताकि किसानों को असुविधा न हो। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी रिंकी जायसवाल,जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव,उप निदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।फार्मर रजिस्ट्री कार्य की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे शासन की मंशा के अनुरूप फार्मर रजिस्ट्री कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय–सीमा के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके।

कार्यकर्ता बूथ करो, मजबूत अभिमान में लग जाये, आने वाला दिन बसपा का होगा - सुधीर कुमार भारती

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बहन कु0 मायावती के दिशा निर्देश पर बहुजन समाज पार्टी जनपद सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक रानी लक्ष्मी विवाह वाटिका मैरेज हॉल बांसी में आयोजित हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि मण्डल प्रभारी बस्ती मण्डल सुधीर कुमार भारती ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता संगठित होकर बूथ करो, मजबूत अभिमान में लग जायें। आने वाले दिनों में बसपा की सरकार बनाने जा रही है।

दलित समाज के साथ–साथ सर्वसमाज ख़ासकर मुस्लिम समुदाय व ब्राम्हण समाज आसाभरी निगाहों से देख रहा है। एसआईआर के अनुसार बूथों

पर जाकर बूथ कमेटी को पुनः रिनिवल करने में लग जाये। साथ ही साथ नये मतदाता को फार्म 6 भरने के लिए जागरूक करना होगा। बैठक को विशिष्ट अतिथि के गौतम साहब कल्पनाथ बाबूजी मुख्य मण्डल प्रभारी बस्ती रामसूरत चौधरी ने भी सम्बोधित किया। संचालन मण्डल जोन इंचार्ज राजकुमार आर्य ने किया और अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिनेश चन्द्र गौतम ने किया। बैठक में मुख्य रूप से इन्द्रजीत गौतम मण्डल जोन इंचार्ज दिनेश चौधरी, रमेश चमार, प्रेम मिलन शुक्ला, संजय शर्मा, जहूर खां, रामधनी गौतम, शुभकरन चौधरी, मुनीराम राजभर, हीरालाल कुरिल, आनही प्रसाद, घनश्याम गौतम, रमेश आजाद, सतेन्द्र कुमार गौतम, दिलीप कुमार, विजयपाल कन्नौजिया, मन्टू गौतम, रामपाल गौतम, राजेश कुमार, अशोक कुमार, राधेश्याम गौतम, हरी लाल आर्या, राजकुमार चौधरी, राकेश कुमार गौतम, महेन्द्र कुमार वरूण, विनोद कुमार राव, खुर्शीद आलम, वीरू पासवान, शमीम अहमद पूर्व जिला महासचिव, अब्दुल सलाम, अब्दुल अलीम, अंगद राज गौतम, पिंगल प्रसाद, राम अचल गौतम, रामनिवास सहित जनपद सिद्धार्थनगर के समस्त कार्यकर्ता व पदाधिकारी सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहें।

फांसी लगाने वाले युवक को पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बचाई जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र चिल्हियां के सेमरा टोले में पत्नी के मायके चले जाने पर मां को डराने के लिए आत्महत्या करने का नाटक करना मुम्बई से लौटे 32 वर्षीय विजय कुमार को भारी पड़ गया। फांसी से लटकने के बाद कुर्सी फिसल जाने से उसकी जान पर बन आयीं। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर उसे फंदा काटकर नीचे उतारा। चिल्हियां थाना क्षेत्र के पल्टादेवी चौकी के तहत बजहा ग्राम

पंचायत के सेमरा टोले में हुए इस मामले की गांव में चर्चा हो रही है। वहीं क्षेत्रीय लोग पुलिस की सराहना कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चिल्हियां थाना क्षेत्र के पल्टादेवी चौकी के तहत बजहा ग्राम पंचायत के सेमरा टोले के रहने वाले विजय कुमार आठ फरवरी को मुंबई से घर लौटा था। उसकी पत्नी मायके गई हुई थी। घर आने पर पत्नी के मायके जाने की बात सुनकर वह नशे की हालत में बवाल करने लगा। घर में मौजूद उसकी मां ने नाराज होकर उसे खाना नहीं दिया। इसके बाद मां को डराने के लिए उसने आत्महत्या का नाटक किया और कमरे का दरवाजा बन्द कर कुंडी में साड़ी से फंदा बनाकर लटकने का नाटक किया। परिजनों ने उसे फंदे से लटका देखा तो पल्टादेवी चौकी के चौकी प्रभारी को फोन पर सूचना दी। चौकी प्रभारी राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि जब वह पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे तो दीवार के झरोखे से उसे लटके हुए देखा तो उसे मरा हुआ जानकर फॉरेंसिक यूनिट को भी फोन कर दिया। अभी फॉरेंसिक यूनिट नहीं पहुंची थी कि इस बीच विजय कुमार के पैरों के नीचे लगी कुर्सी छिटक गई और वह साड़ी के फंदे से लटक गया। गले पर जोर पड़ने से वह चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर तुरन्त अही पुलिसकर्मियों के साथ दरवाजा तोड़ा गया और गले में लगे फंदे को काटकर उसकी जान बचाई गई।

माघ मेला बांसी के राप्ती घाट पर युवक को लात-घूंसों से मारने पीटने का वीडियो हुआ वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका बांसी के माघ मेले की हुई एक मार–पीट की घटना ने प्रशासनिक तैयारियों पर गम्भीर सवाल खड़े कर दिये हैं। मेले में स्नान और दर्शन के लिए आई महिलाएं और बच्चियां घबरा गई और सुरक्षित स्थानों

व्यवस्थाएं सोमवार शाम 9 फरवरी को करीब 5 बजे अव्यवस्था का शिकार हो गई थी। मौनी अमावस्या स्नान से शुरू होकर एक माह तक चलने वाले इस विशाल धार्मिक मेले में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल नजर आयीं। राप्ती नदी के घाट पर प्रत्यक्षदर्शियों और वायरल वीडियो फुटेज के मुताबिक राप्ती घाट पर मौजूद 5 से 6 युवकों ने एक युवक को घेरकर बेरहमी से पीटा। इस दौरान लात–घूंसे और थप्पड़ों का जमकर इस्तेमाल किया गया। अचानक हुई इस घटना से राप्ती घाट पर अफरा–तफरी मच गई। की ओर भागने लगीं। कुछ ही देर में राप्ती घाट पर भय का माहौल बन गया, जिससे कई श्रद्धालुओं ने स्नान और दर्शन अधूरे छोड़ दिये। घटना के दौरान और उसके बाद भी मौके पर कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। जबकि हर वर्ष भारी भीड़ और संवेदनशीलता को देखते हुए घाटों पर अस्थायी पुलिस चौकी और सुरक्षा व्यवस्था तैनात करने के दावे किये जाते हैं। इस घटना ने उन दावों की पोल खोल दी है।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े धार्मिक मेले में यदि प्रमुख घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं होगी, तो श्रद्धालुओं की जान–माल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। यह घटना बांसी माघ मेले की सुरक्षा व्यवस्था में गम्भीर खामियों को उजागर करती है। आपको बता दें कि बांसी माघ मेले का उद्घाटन 17 जनवरी 2026 को हुआ था और यह मेला पूरे एक महीने तक चलता है। मेले के शुरूआती दिनों में ही इस तरह की घटना सामने आना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था को कितना मजबूत करता है।

बीएसए कार्यालय पर 12 फरवरी को जुटेंगे रसोइए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया सेन्ट्रल ऑफ ट्रेड यूनियन (सीटू) के आह्वान पर 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के तहत रसोइया कर्मचारी बीएसए कार्यालय परिसर में जुटेंगे। वहां से जुलूस निकाल कर डीएम को ज्ञापन सौंपेंगे।

दो दिवसीय प्र शिक्षण में बीएलओ ने लिया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत वोटर डिस्क्रिपेंसी से सम्बन्धित नोटिस के लिए विधानसभा शोहरतगढ़ में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। उप जिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को मतदेय स्थल संख्या एक से 200 तक के बीएलओ निर्धारित समय पर प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से शामिल होकर प्रशिक्षण लिया।

क्या फिर होगा बड़ा उलटफेर? कमजोर बल्लेबाजी दोनों टीमों के लिए बनी सिरदर्द

इस मंगलवार को जब पाकिस्तान टी20 विश्व कप में अमेरिका से भिड़ेगा तो 20 महीने पहले इस टीम के खिलाफ मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। आपको बता दें कि, वर्ष 2024 में विश्व कप में पदार्पण करते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान पर यादगार जीत के साथ बड़े मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। मौजूदा टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत से हारने के बाद अमेरिका की टीम यहां सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में पाकिस्तान के खिलाफ एक और जीत दर्ज करने के लिए अधिक प्रेरित होगी।

पाकिस्तान और अमेरिका का मुकाबला

दोनों ही टीम को बल्लेबाजी विभाग में काफी काम करना है। पाकिस्तान नीदरलैंड के खिलाफ 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी स्थिति में था लेकिन बीच के ओवरों में बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण टीम मुश्किल में पड़ गई। फहीम अशरफ की बदौलत हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल रही। अमेरिका ने वानखेड़े में मौजूदा चौंपियन भारत को दबाव में डाल दिया था लेकिन प्रभावशाली गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद उनके बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। पाकिस्तान की टीम में सभी की नजरें बाबर आजम पर होंगी जिन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में वापसी की है।

सलामी बल्लेबाज सईम अयूब से भी बल्ले से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अयूब हाल के दिनों में स्पिनर के तौर पर अधिक सफल रहे हैं। कप्तान सलमान अली आगा का भी मानना है कि उनके खिलाड़ियों को नीदरलैंड के खिलाफ मैच की तुलना में दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। अमेरिका भी अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

कप्तान मोनांक पटेल ने स्वयं माना था कि उनकी टीम भारत के खिलाफ पावरप्ले में ढीले शॉट खेलने की दोषी थी। मोनांक भी खराब शॉट खेलकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे शैडली वैन शाल्कविक की अगुवाई में अमेरिका ने गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि सीनियर तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर का पहला मैच खराब रहा और वह पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे।

अमेरिका ने आईसीसी प्रतियोगिता से पहले श्रीलंका में अभ्यास किया था और वे यहां की परिस्थितियों से परिचित हैं। टीम के तेज गेंदबाज अली खान की फिटनेस पर सवालिया निशान लगा हुआ है जो भारत के खिलाफ मैच में लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे।

अमेरिका की टीम

टीम इस प्रकार हैं– अमेरिकारू मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह, एंड्रीज गॉस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, शायन जहांगीर, साईतेजा मुक्कामाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्थुश केनजिगे, शैडली वैन शाल्कविक, सौरभ नेत्रवलकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने।

पाकिस्तान की टीम : पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

– समयः मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

मनरेगा कार्य में सामने आया गंभीर अनियमितता का मामला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के विकासखंड मिहींपुरवा अंतर्गत ग्राम पंचायत अडगोडवा में मनरेगा कार्यों में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत सचिव दयानंद द्वारा मनरेगा कार्य ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा है, जो कि योजना के नियमों के विरुद्ध है। बताया गया कि 8 फरवरी को मौके पर निरीक्षण के दौरान जहां मास्टर रोल में 80 मजदूर दर्ज थे, वहीं कार्यस्थल पर मात्र 4 मजदूर ही काम करते पाए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय जॉब कार्ड धारकों को काम नहीं दिया जा रहा है, जबकि बाहरी मजदूरों से कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस पूरे मामले की जानकारी ग्राम प्रधान को नहीं है और संबंधित कार्यों में न तो उनकी सहमति ली गई है और न ही उनके हस्ताक्षर कराए गए हैं। मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण रोजगार योजना में अनियमितताओं से स्थानीय मजदूरों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इसी सचिव से जुड़े अन्य मामलों में भी पूर्व में अनियमितताओं के आरोप सामने आ चुके हैं। गत दिनों ग्राम पंचायत कंजडवा में लगभग 90 श्रमिकों की फर्जी उपस्थिति दर्ज किए जाने का मामला प्रकाश में आया था। इसके अलावा ग्राम पंचायत अडगोडवा में भूमि समतलीकरण के नाम पर 100 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कराए जाने की शिकायत भी सामने आई थी। ग्रामीणों का कहना है कि समाचार प्रकाशित होने तथा उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे क्षेत्र में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा स्थानीय जॉब कार्ड धारकों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है।

बालिकाओं को एल्बेंडाजोल टेबलेट खिलाकर राष्ट्रीय .मि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में राष्ट्रीय .मि मुक्ति दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज,गोन्डा में स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने किया,उन्होंने किशोर एवं किशोरियों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट वितरित की।इस अवसर पर डीएम ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य ही समाज की ताकत है और ऐसे कार्यक्रम बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।डीएम ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच और समय–समय पर दवा लेने से उनका शारीरिक विकास और प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत रहती है।इस दौरान बच्चों को एल्बेंडाजोल टेबलेट के महत्व और सही उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि यह दवा बच्चों में पेट की कीड़े–मकोड़े और अन्य संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करती है।साथ ही उन्होंने माता–पिता और अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को स्वस्थ और साफ–सुथरे वातावरण में पले–बढ़ें,जिससे भविष्य में बीमारियों से बचाव हो सके।डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने इस अवसर पर सभी शिक्षकों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की प्रशंसा की, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्वास्थ्य एवं शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रम का समापन सभी बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता सामग्री वितरित करने और उनके साथ संवाद स्थापित करने के साथ हुआ। इस पहल से न केवल बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की आदत भी विकसित होगी।कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. संत लाल पटेल,एसीएमओ डॉ. सीके वर्मा,एसीएमओ डॉ. आदित्य वर्मा,एसीएमओ डॉ. जय गोविंद, एवं प्रधानाध्यापक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सहित विभाग से जुड़े सभी अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने खलीलाबाद तहसील के सभी पटलों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मण्डलायुक्त बस्ती मण्डल बस्ती अखिलेश सिंह द्वारा जिलाधिकारी आलोक कुमार के साथ आज कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों/पटलों एवं खलीलाबाद तहसील के सभी पटलों/अनुभागों का सघन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) जय प्रकाश व अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चन्द्रेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा पत्रावलियों के सुव्यवस्थित ढंग से रख रखाव, पटल से संबंधित पत्रावलियों के नियमानुसार व त्वरित निस्तारण, कार्यालय परिसर में साफ–सफाई सहित अन्य बिंदुओं पर संबंधित कार्यालय/पटल सहायक को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने न्याय सहायक कक्ष में पटल के कार्यों के बारे में पूछते हुए कहा कि पटल से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने चरित्र प्रमाण पत्र सहित विभिन्न प्रमाण पत्रों को जारी किए जाने की गुणवत्ता, प्रगति व पेंडेंसी आदि के बारे में भी पूछताछ किया। मंडलायुक्त ने कहा कि कार्यों से संबंधित शासनादेशों से संबंधित पटल सहायक को निरंतर अपडेट रहना चाहिए। आयुध लिपिक कक्ष के निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण, वरासत के आधार पर लाइसेंस प्राप्त करने के आवेदनों की संख्या आदि के बारे में पटल सहायक से जानकारी प्राप्त करते हुए नियमानुसार प्रकरणों को निस्तारित करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत मंडलायुक्त ने खनन अनुभाग, प्रशासनिक अधिकारी कक्ष, आपदा नियत्रंण कक्ष, शिकायत कक्ष, नजारत, आंग्ल अभिलेखागार, राजस्व सहायक कक्ष, जिला कंट्रोल रूम, कॉल सेंटर, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कक्ष, भूलेख अनुभाग, राजस्व अभिलेखागार सहित अन्य कार्यालयों/पटलों पर कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों एवं पटल प्रभारी/सहायकों से संबंधित पटल के कार्यों एवं उत्तरदायित्वों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। मंडलायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके पटलों पर लम्बित पत्रावलियों को अविलम्ब निस्तारित करने एवं किसी भी पत्रावली को अनावश्यक रूप से पटल पर न रोकते हुए नियमानुसार गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थित पंजिका सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर एवं कार्यालयों में नियमित साफ–सफाई के भी निर्देश दिये। मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों से सम्बंधित पटलों का निरीक्षण के दौरान रेण्डमली कुछ पत्रावलियों को मांग कर उस पर .त कार्यवाही, कार्यवाही करने की अवधि आदि की क्रास चेकिंग करते हुए सम्बंधित पत्रावली के सापेक्ष पंजिका पर अंकन आदि का भी गहनतापूर्वक चेकिंग किया। उन्होंने विशेष रूप से शिकायती संदर्भो के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने की अवधि के बारे में सम्बंधित पटल सहायक से पूछताछ करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री संदर्भ, शासन संदर्भ अथवा जिलाधिकारी संदर्भ सहित समस्त शिकायती संदर्भों से संबंधित शिकायतों को संबंधित विभाग से आवश्यकतानुसार जांच/निस्तारण आख्या प्राप्त कर प्रकरणों को निस्तारित किया जाता रहे। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने राजस्व अभिलेखागार के बस्ता सूची, पत्रावली के अवलोकन के पश्चात मुआयना स्थल पर सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विभिन्न पटलों पर कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके कार्य के प्रति कर्तव्यों का ईमानदारी से निष्ठापूर्ण निर्वहन करने हेतु प्रेरित भी किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी खलीलाबाद अरुण कुमार, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी हृदय राम तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी/नाजिर बद्री प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट योगेश चौधरी, ओएसडी राकेश कुमार सहित कलेक्ट्रेट के संबंधित अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में मंडलायुक्त बस्ती मंडल, बस्ती अखिलेश सिंह द्वारा तहसील खलीलाबाद पहुंचकर तहसील के सभी कार्यालयों/पटलों का सघन निरीक्षण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों/पटल सहायकों से पूछताछ करते हुए व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन आदि के बारे में जानकारी ली गयी। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिदायत दिया कि आमजन द्वारा जो शिकायतें दर्ज कराई जाती है उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। कार्यालय में विभिन्न पटलों पर पत्रावलियों का व्यवस्थित ढंग से रख–रखाव किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे तहसील में आने वालों को अनावश्यक कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। पटलों पर छूटे हुए अथवा लम्बित कार्यों को अविलम्ब पूरा कर दिया जाए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा मतदाता पंजीकरण कक्ष, भूलेख कक्ष, खतौनी कक्ष/विंडो, नोटिस सुनवाई स्थल, अभिलेखागार कक्ष, राजस्व लिपिक कक्ष, तहसील के राजस्व न्यायालय (उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार) की पत्रावली का मुआयना, आर0के0 कार्यालय, संग्रह कार्यालय, नजारत आदि पटलों का निरीक्षण करते हुए कार्यो के ससमय एवं गुणवत्तापरक निष्पादन के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अधिकारीगण अनिवार्य रूप से नियमित जनसुनवाई कर अपने स्तर पर ही आमजन की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे जनसामान्य को अनावश्यक रूप से उच्च अधिकारियों के पास भाग–दौड़ करने अथवा शिकायत करने की स्थिति न उत्पन्न हो। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी खलीलाबाद अरुण कुमार, तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा, नायब तहसीलदार प्रियंका तिवारी सहित तहसील के राजस्व अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पटवध– बसुहारी मार्ग के निर्माण में अनियमितता व देरी को लेकर भाकपा ने किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पटवध बसुहारी सड़क निर्माण में देरी को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने सांकेतिक प्रदर्शन कर आंदोलन की दी चेतावनी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के ब्रांच कमेटी कनछ की पूर्व निर्धारित बैठक कामरेड बंधू गोड़ पूर्व प्रधान – कनछ की अध्यक्षता में हुई, जहां पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, खेत मजदूर यूनियन के नेता। कामरेड अमरनाथ सूर्य भी उपस्थित रहे। बैठक में कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूती और विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए पटवध बसुहारी मार्ग के निर्माण में हो रहे देरी पर आक्रोश व्यक्त किया। जिस पर सैकड़ों ग्रामीणों ने समर्थन करते हुए पटवध बसुहारी सड़क के खस्ताहाल को लेकर शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निर्माणाधीन सड़क पर उतर करीब आधे घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि पटवध बसुहारी मार्ग जो कि नक्सल प्रभावित कई गांवों के लोगों के आवागमन का मात्र एक लाइफ लाईन जैसा मार्ग है, जिस पर सैकड़ों लोगों का प्रतिदिन आवागमन होता है और विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन भी इसी मार्ग पर स्थित सोनभद्र के चर्चित देवी स्थान अमिला भवानी पर होता है। सरकार देवी स्थानों को पर्यटन के नाम पर बढ़ावा दे रही है। लेकिन बहुचर्चित देवी मंदिर पर श्रद्धालुओं को पंहुचने में खराब रास्ते की वजह से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उ.प्र. सरकार के समाज कल्याण मंत्री की पत्नी व चोपन ब्लाक प्रमुख भी इसी क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करतीं हैं, इसके वावजूद भी साल भर से बनाएं जा रहे इस सड़क का पूरा निर्माण नहीं हो सका। जो कहीं न कहीं भ्रष्टाचार का इशारा करता है । लोगों ने यह भी कहा की हम ग्रामीणों को इमरजेंसी में समय से अस्पताल पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और खराब सड़क की वजह से एम्बुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है। प्रदर्शन के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने कहा भाकपा इस सड़क निर्माण में हो रही देरी पर आज सांकेतिक प्रदर्शन कर चेतावनी दे रही है कि पटवध बसुहारी मार्ग के निर्माण सामग्री व गुणवत्ता की जांच की जाए और इस मार्ग के निर्माण में तेजी ला कर यथाशीघ्र पूरा कराया जाए ।जिससे दर्जनों गांवों के लोगों सरल व सुलभ आवागमन प्राप्त हो और अमिला भवानी दर्शन के आने जाने वाले श्रद्धालुओं को भी वर्तमान जटिल रास्ते से तत्काल राहत पहुंचाया जाए। अन्यथा क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ भाकपा जल्द ही बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को बाध्य होगी। भाकपा नेताओं ने बताया कि 12 फरवरी को मजदूरों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल को समर्थन देते हुए भाकपा जिला कौंसिल द्वारा जनपद की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा । इस दौरान प्रमुख रूप से कामरेड प्रेम चंद गुप्ता, हृदय नारायण गुप्ता, कामरेड बूटन प्रसाद, योगेन्द्र चंद्रवंशी, नागेंद्र कुमार, गजानंद, राम शकल भारती, राम चंद्र यादव, रामनाथ गुप्ता, विजय कुमार, संजू मदेशिया व विनोद गिरी आदि मौजूद रहे।

खड़िया में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ का हुआ शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। खड़िया परियोजना के चौतन्य वाटिका मंदिर परिसर में मंगलवार कों सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा व यज्ञ का शुभारंभ हुआ ।यज्ञाचार्य व यजमान दिनेश दुबे की देख रेख में सैकड़ो स्थानीय महिलाओं द्वारा गाजे बाजे के साथ कॉलोनी परिसर का भ्रमण करते हुए चिल्काझील व गायत्री मंदिर से जल भरकर पुनः चौतन्य वाटिका मंदिर यज्ञ मंडप पर कलश स्थापित किया। आयोजक मंडल के खुशहाल सिंह ने बताया की प्रतिदिन दोपहर कथावाचक इंदौर से आए आचार्य अविनाश द्विवेदी द्वारा कथा का आयोजन किया जाएगा। जिसमे कथा के माध्यम से भगवान श्री.ष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, धर्म और सदाचार का संदेश दिया जाएगा ।यज्ञाचार्य द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन कर अग्नि प्रज्वलित करते हुए यज्ञ का शुभारंभ किया ।आगामी 16 फरवरी कों भंडारे के साथ भागवत कथा व यज्ञ का समापन किया जाएगा।

एआई के दौर में सुरक्षित इंटरनेट के प्रति जागरूक हुए अधिकारी और छात्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार और उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद में सोमवार को "मित प्दजमतदमज क्ंल.2026' के अवसर पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार, राजकीय पॉलिटेक्निक और आईटीआई दुद्धी में आयोजित इन कार्यक्रमों में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।प्) और साइबर सुरक्षा की बारीकियों को समझाया। स्मार्ट तकनीक के साथ सुरक्षित विकल्प जरूरी इस वर्ष की थीम "उंतज ज्मबी, "मि बेवपबमे" पर केंद्रित रही। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने अपने संबोधन में कहा कि .त्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीकों का सकारात्मक और सुरक्षित उपयोग विकास की गति को तेज करता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम शासकीय कार्मिकों एवं आमजन को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (क्प्व्) निजामुद्दीन अंसारी, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर दिव्यतोष मिश्रा और डाटा एनालिस्ट सूर्य प्रकाश ने कार्यशाला में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन धोखाधड़ी और वित्तीय साइबर अपराधों से कैसे बचें, सोशल मीडिया का उत्तरदायी और सुरक्षित उपयोग कैसे करें, एआई (।प्) का विवेकपूर्ण प्रयोग कैसे किया जाए ताकि इसके जोखिमों से बचा जा सके,विभिन्न विभागों की रही सहभागिता,एनआईसी (छप्ब्) सोनभद्र के सहयोग से आयोजित इन कार्यशालाओं में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया, इसी क्रम में पॉलिटेक्निक और आईटीआई दुद्धी में संबंधित प्रधानाचार्यों के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन के अनुसार, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है ताकि डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को सुरक्षित तरीके से प्राप्त किया जा सके।

एम०डी०ए०–आई०डी०ए० अभियान का किया गया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराही में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम के अन्तर्गत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन /आइवरमैक्टिन ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन एम०डी०ए०– आई०डी०ए० अभियान का शुभारम्भ मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डा. पी०के० राय तथा इस अभियान के नोडल अधिकारी डा. प्रेमनाथ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से दवा का सेवन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ककराही के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. गुरू प्रसाद ने फाइलेरिया रोग के बारे में बच्चों को अवगत कराया। जिला मलेरिया अधिकारी धर्मेन्द्र नारायण श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 2 ब्लॉकों ककराही, घोरावल में 10 फरवरी 2026 से 28.02. 2026 तक एम०डी०ए० आई०डी०ए० अभियान चलाया जाना है, एम०डी०ए० अभियान के दौरान घर–घर जाकर 02 वर्ष के ऊपर की समस्त आबादी को डी०ई०सी०, आईवरमेक्टिन एवं अल्बेन्डाजोल की टैबलेट आयुवर्ग के अनुसार खिलायी जायेगी। दवा खिलाये जाने हेतु कुल 578 टीमें बनायी गयी है, प्रत्येक टीम में 02 सदस्य होगे जो सप्ताह के 04 दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार तथा शुक्रवार में प्रत्येक दिन लगभग 20 से 25 घरों में (गर्भवती महिला, गंभीर बीमार तथा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को छोड़कर) सभी लोगों को दवा खिलायेगें, टीम के निरीक्षण हेतु कुल 108 सुपरवाइजर लगाये जायेंगे, प्रत्येक सुपरवाइजर 05 से 06 टीमों का निरीक्षण करेंगे। कार्यक्रम के संचालन हेतु दोनों ब्लाकों पर आई०ई०सी० मैटेरियल, ड्रग, चॉक पेन, मार्कर, मीजरिंग टेप इत्यादि उपलब्ध कराया जा चुका है। इस अवसर पर समस्त शिक्षकों के साथ प्रधानाचार्या श्रीमती भवानी देवी, मलेरिया निरीक्षक देवाशीष पांडेय, एल. टी. सर्वश्री राहुल, सुशील, धर्मदेव भारती, बी.सी.पी. एम. ककराही, अमरनाथ यादव, एस.एफ. डब्लु. सभाजीत, मॉनिटर अंजनी एवं पी.सी.आई. से शिवम उपस्थित रहे। ब्लॉक घोरावल में इस अभियान का शुभारम्भ उप जिलाधिकारी घोरावल, आशीष कुमार त्रिपाठी के द्वारा स्वयं एल्वेंडाजोल, डी.ई.सी. और आइवरमैक्टिन की दवा का सेवन कर किया गया और लोगो को खिलाकर जनमानस से अपील किया कि इस अभियान में टीम घर–घर जाकर फाइलेरिया की दवा खिलायेगी उसे सभी लोग अवश्य टीम के सामने ही खाकर इस बीमारी से समाज को फाइलेरिया से मुक्त करने में मदद करें और अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर ए०सी०एम०ओ० डॉ. प्रेमनाथ, ब्लॉक घोरावल के अधीक्षक डा. नरेन्द्र सरोज, तहसीलदार प्रवीण सिंह, सर्वश्री आर०के० सिंह, अनिल कुमार दूबे, अखिलेश, प्रशांत दूबे इत्यादि उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा, साइबर सतर्कता एवं आत्मरक्षा को लेकर जनपद भर में सघन जनजागरूकता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को और अधिक सु.ढ़ करने के उद्देश्य से आज मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में व्यापक एवं प्रभावी जन–जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा, सतर्कता एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी.मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र–छात्राओं को महिला उत्पीड़न से बचाव, गुड टच–बैड टच की पहचान, आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों, साइबर अपराध के नवीन तरीकों, ऑनलाइन ठगी से बचाव तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में सरल, प्रभावी एवं संवादात्मक तरीके से जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि साइबर अपराधी अक्सर डर, लालच एवं झूठे प्रलोभनों के माध्यम से लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं। अतः किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक, संदेश अथवा ओटीपी को साझा न करने तथा किसी भी शंका की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह आश्वस्त किया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा साइबर अपराध की सूचना प्राप्त होने पर सोनभद्र पुलिस द्वारा त्वरित, निष्पक्ष एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सड़क हादसे में मासुम की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। प्रीत नगर स्थित यूको बैंक के पास तेज रतार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एक परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में गोद में बैठा एक मासूम सड़क पर गिर गया और वाहन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, एक ही बाइक पर एक पुरुष, दो महिलाएं और गोद में दो छोटे बच्चे सवार थे। सभी पटवध से बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र की ओर जा रहे थे। जैसे ही बाइक प्रीत नगर यूको बैंक के पास पहुंची, पीछे से आए अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बच्चे सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान एक मासूम वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।सूचना पर पहुंची चोपन पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

टीपर और बाइक की टक्कर में एक युवक गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा बिल्ली खनन क्षेत्र में स्थित बिल्ली चढ़ाई पर मंगलवार की शाम एक बाइक और टीपर में हुई आमने सामने की भिड़ंत में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को ओबरा परियोजना अस्पताल ले गई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जांच हेतु अन्यत्र भेज दिया गया।वही टक्कर मारकर टीपर भागने में सफल रहा। बताया जाता है कि घायल युवक 22 वर्षीय दुर्गा प्रसाद यादव पुत्र स्वर्गीय गुलाब चंद्र यादव निवासी मऊ ट्रक लेकर क्रशर क्षेत्र में गिट्टी लदवाने के लिए आया हुआ था। घायल युवक किसी मित्र की बाइक लेकर क्रशर क्षेत्र में गिट्टी देखने जा रहा था कि बिल्ली चढ़ाई पर तेज रतार से आ रही एक टीपर से बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए भाग गया। टक्कर होने के बाद युवक के सीने और सिर में गंभीर चोट आई है। हालांकि घायल युवक खतरे से बाहर बताया जाता है। ओबरा परियोजना के डाक्टर प्राथमिक उपचार के बाद अच्छी इलाज हेतु अन्यत्र रेफर कर दिया है। इस दौरान ओबरा पुलिस बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

द केरल स्टोरी 2 से जारी हुआ पहला गाना ओ माई, एक-एक शब्द करेगा भावुक

पहले पार्ट श्द केरल स्टोरीय ने अपनी बेबाक कहानी से देशभर में बहस छेड़ दी थी। अब इसका

सीक्वल उससे भी ज्यादा इंटेंस नजर आ रहा है। हाल ही में इस फिल्म का पहला गाना श्ओ माई रीय रिलीज किया गया है। श्ओ माई रीय गाना मां और बच्चे के रिश्ते को समर्पित है। यह गाना मां के उस निरूस्वार्थ प्यार, सुरक्षा और अपनेपन को महसूस कराता है, जो हर बच्चे के लिए सबसे बड़ा कवच होता है। मन्नन शाह का सोलफुल म्यूजिक और मनोज मुंतशिर के इमोशनल लिरिक्स इस गाने को और भी खास बना देते हैं।

फिल्म का टीजर पहले पार्ट से कहीं ज्यादा शार्प और इंटेंस नजर आ रहा है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुके निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह की यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाती है। इन किरदारों को उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है।

कहानी तब और डार्क मोड़ पर पहुंचती है, जब ये तीनों लड़कियां दूसरे धर्म के युवकों के साथ रिलेशनशिप में आती हैं। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वह धीरे–धीरे एक डरावनी सच्चाई में बदल जाती है, जहां धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दे सामने आते हैं।

श्द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड्य को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है। वहीं आशिन ए शाह ने इसे सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले को–प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शालिनी पांडे और जहान कपूर की कॉमेडी सीरीज बैंडवाले की रिलीज तारीख जारी

विजय देवरकोंडा के साथ अर्जुन रेड्डी से लोकप्रियता हासिल करने वालीं अभिनेत्री शालिनी पांडे अपनी नई वेब सीरीज को लेकर चर्चा में आ गई हैं। उनकी इस म्यूजिकल कॉमेडी सीरीज का नाम बैंडवाले है, जिसे अक्षत वर्मा और अंकुर तिवारी ने निर्देशित किया है। ब्लैक वारेंट वाले जहान कपूर भी सीरीज का हिस्सा हैं, जो दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के पोते हैं। ओएमएल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित बैंडवाले का प्रीमियर भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में होगा।

बैंडवाले अमेजन प्राइम वीडियो की ओरिजनल सीरीज है। इसकी कहानी एक युवा कवयित्री मरियम (शालिनी) के इर्द–गिर्द घूमेगी जो अपनी स्वतंत्रता और आत्म–पहचान की तलाश में गुमनाम रूप से अपनी कविताओं को ऑनलाइन साझा करती है। उसकी जर्नी में उसका साथ रोबो और डीजे साइको देते हैं, जो उसके साथी और सबसे करीबी दोस्त हैं। सीरीज में जाने–माने कंपोजर यशराज मुखाते का संगीत भी शामिल है, जिससे कहानी की भावनात्मक यात्रा को आकार मिलता है। बैंडवाले वैलेंटाइन से एक दिन पहले, यानी 13 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इसमें शालिनी और जहान के अलावा स्वानंद किरकिरे, संजना दीपू, आशीष विद्यार्थी और अनुपमा कुमार सहित अन्य सितारे भी शामिल हैं। बता दें, शालिनी को आखिरी बार फिल्म राहु केतु में देखा गया था जो 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा मुख्य किरदार में थे।

धनश्री वर्मा का गहरे हरे गाउन में ग्लैमरस लुक हुआ वायरल, तस्वीरें देख फैंस बोले– स्टनिंग ब्यूटी

धनश्री वर्मा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर किया है. उनका ये नया फोटोशूट उनके फैशन सेंस और ग्लैमरस अंदाज का बेहतरीन उदाहरण है. गहरे हरे रंग की गाउन जो शॉर्ट फ्रंट और लंबी ट्रेन के साथ डिजाइन की गई है उनके लुक को रॉयल टच दे रही है. गाउन का फिट और फैब्रिक उनके

शरीर पर परफेक्ट बैठ रहा है जिससे उनका स्टाइल और भी निखर कर सामने आ रहा है.

धनश्री वर्मा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद स्टाइलिश और स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं.

इस फोटोशूट में उनका लुक ऐसा है कि देखते ही बन रही है. उन्होंने गहरे हरे रंग की गाउन पहनी है जो शॉर्ट फ्रंट और लंबी ट्रेन के साथ डिजाइन की गई है.

गाउन का कट और फैब्रिक उनकी फिगर पर बिल्कुल फिट बैठ रहा है और ये उनके लुक में ग्लैमरस टच जोड़ रहा है.

फोल्डेड ट्रेन और डिजाइन उन्हें रॉयल और एलीगेंट लुक दे रहे हैं जो हर नजर को अपनी ओर खींच रहे हैं.

धनश्री के बाल सॉफ्ट वेवी स्टाइल में सेट किए गए हैं जिससे उनका चेहरा और भी निखर कर सामने आ रहा है.

मेकअप भी बहुत ही सिंपल है. उन्होंने हल्की स्मोकी आईज,सटल लिप कलर और चेहरे पर नैचुरल ग्लो उनके लुक को पूरा कर रहे हैं.

शाइनिंग हील्स उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच कर रही हैं .फोटोशूट में उनकी पोजिंग भी कमाल की है.

धनश्री ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, चमकों की दुनिया में कोमल कृपा. इस कैप्शन के साथ फैंस ने भी उन पर खूब प्यार लुटाया है. कमेंट सेक्शन में लोग लिख रहे हैं कि वह बहुत खूबसूरत दिख रही हैं,स्टनिंग ब्यूटी और उनकी ब्यूटी का क्या ही कहना है. उनके फैंस के प्यार और तारीफों ने इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर और भी वायरल बना दिया है.

बॉर्डर 2 के कहर के आगे बेखौफ हुई मर्दानी 3, दूसरे सडे धुआंधार छापे करोड़ों

रानी मुखर्जी ने 30 जनवरी, 2026 को श्मर्दानी 3य के साथ बड़े पर्दे पर अपना लॉन्ग अवेटेड कमबैक किया था. फिल्म में पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के अपने पॉपुलर किरदार में रानी ने एक बार फिर एक दमदार, सामाजिक थ्रिलर से धमाल मचा दिया है. फिल्म ने पहले हफ्ते में ठीक कमाई की थी और दूसरे वीकेंड पर तो इसने जबरदस्त तेजी दिखाते हुए खूब नोट बटोर लिए. चलिए यहां जानते हैं श्मर्दानी 3य ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को कितना कलेक्शन किया है?

रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है. बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल की वॉर ड्रामा श्बॉर्डर 2य से कड़ी टक्कर का सामना करने के बावजूद, इस कॉप ड्रामा ने दूसरे वीकेंड पर धमाल मचा दिया है. इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने दूसरे संडे को यानी रिलीज के 10वें दिन 4 करोड़ रुपये कमाए हैं. यह बढ़ोतरी, हालांकि मामूली है, लेकिन यह बताता है कि फिल्म को वीकेंड और छुट्टी का फायदा मिला.

वहीं 9वें दिन (दूसरे शनिवार) को फिल्म ने लगभग 3.5 करोड़ रुपये कमाए, जो हफ्घ्ते के दिनों के आंकड़ों की तुलना में एक अच्छी बढ़ोतरी है. इससे पहले, मर्दानी 3 ने गुरुवार और शुक्रवार दोनों दिन 1.85 करोड़ रुपये कमाए थे. 10वें दिन 4 करोड़ रुपये के कलेक्शन को मिलाकर, फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब लगभग 35.65 करोड़ रुपये हो गया है.

मर्दानी 3 को सिनेमाघरों में कड़ी टक्कर मिल रही है. सनी देओल और वरुण धवन की वॉर ड्रामा बॉर्डर 2 अभी भी आम दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है, जबकि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की वध 2 जैसी नई रिलीज भी दर्शकों को खींच रही हैं. इस भीड़भाड़ वाले रिलीज विंडो ने मर्दानी 3 की दूसरे हफ्घ्ते में ग्रोथ की उम्मीद को कम कर दिया है. हालांकि अच्छी वर्ड ऑफ माउथ और रानी मुखर्जी की स्टार पावर फिल्म को बनाए रखने में मदद कर सकती है, भले ही कलेक्शन में तेजी से उछाल आने की संभावना कम हो. अभिराज मिनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी के साथ जानकी बोदीवाला और मल्लिका प्रसाद भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. तीन महीनों में सेट, कहानी शिवानी शिवाजी रॉय के इर्द–गिर्द घूमती है, जो 93 टीनएज लड़कियों के चौंकाने वाले गायब होने की जांच करती है, और एक बार फिर एक महिला पुलिस अधिकारी को अपराध ा के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई के केंद्र में रखती है.

केमिकल पीलिंग के बाद ध्यान में रखें ये बातें, त्वचा को नहीं होगा नुकसान

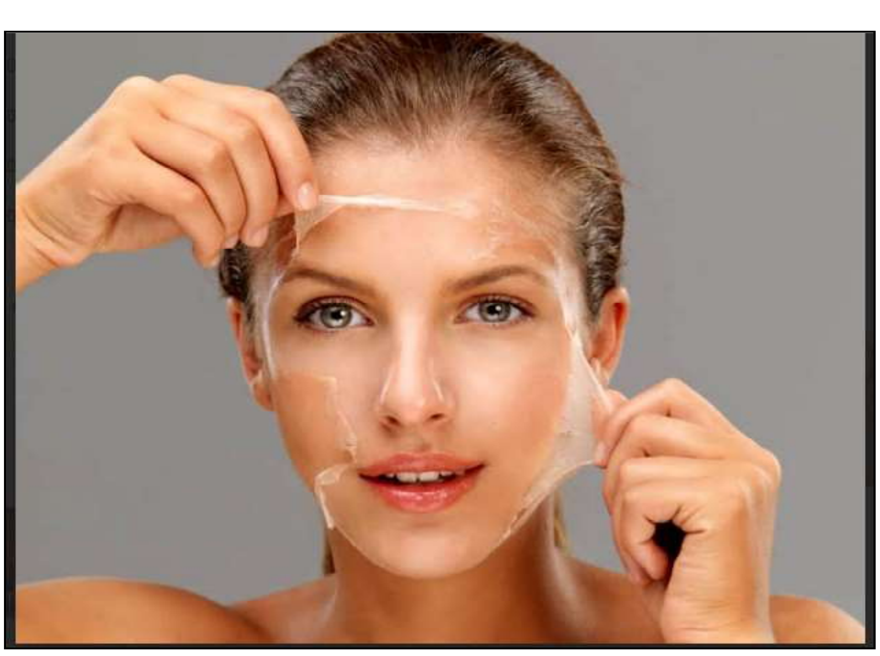

महिलाएं पिछले साल से त्वचा की देखभाल का एक नया रुझान अपना रही हैं, जिसे केमिकल पीलिंग कहा जाता है। यह एक कॉस्मेटिक उपचार है, जिसमें त्वचा की बाहरी परतों को एक्सफोलिएट करने के लिए एक रासायनिक घोल का उपयोग किया जाता है। इसे ऐसे समझें कि इसके जरिए किसी मास्क की तरह मृत त्वचा हट जाती है। इसके बाद नई और मुलायम त्वचा नजर आती है। इस उपचार के बाद इन बातों का विशेष ध्यान रखना अहम होता है।

विस्तार से जानें केमिकल पीलिंग का मतलबः केमिकल पीलिंग के दौरान त्वचा पर एक रासायनिक घोल लगाया जाता है, जिसकी मदद से उसकी बाहरी परत हट जाती है। त्वचा की यह पुरानी और क्षतिग्रस्त परत उतरने के बाद नई और स्वस्थ त्वचा उभरती है। यह ज्यादा निखरी, चमकदार, मुलायम और बेदाग होती है। इस उपचार की मदद से महीन रेखाएं, झुर्रियां और झाइयां कम हो जाती हैं। साथ ही यह मुंहासों के दाग, रंजकता और टैनिंग हटाने में भी मदद करता है।

अन्य सक्रीय सामग्रियों का न करें इस्तेमालः केमिकल पीलिंग के बाद त्वचा बहुत संवेदनशील हो जाती है। ऐसे में आपको कई दिनों तक उस पर कोई अन्य सक्रीय सामग्री इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। इनमें रेटिनोइड्स, एएचए, बीएचए, ग्लाइकोलिक एसिड और सैलिसिलिक एसिड आदि शामिल होते हैं। इन्हें लगाने से नई बनने वाली त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी परेशानियां पैदा हो सकती हैं। केमिकल पीलिंग के कुछ दिनों बाद तक केवल मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन ही उपयोग करें।

त्वचा को धूप से रखें सुरक्षितः केमिकल पीलिंग के बाद त्वचा पर बिलकुल धूप न लगने दें। नई त्वचा अल्ट्रा वॉयलेंट किरणों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है। इनके संपर्क में आने से जलन पैदा हो सकती है, उपचार में बाधा आ सकती है और रंजकता व टैनिंग का खतरा हो सकता है। अगर आपको इस दौरान सनबर्न हो गया तो गंभीर क्षति हो सकती है और गहरे दाग पड़ सकते हैं। ऐसे में सनस्क्रीन लगाएं, चेहरे को ढकें और दिन में घर पर रहें। त्वचा को छूने और छीलने की न करें गलतीः केमिकल पील का असर कुछ दिनों बाद नजर आता है, क्योंकि त्वचा धीरे–धीरे करके फटती है। हालांकि, बाहरी परत खुद ही उतर जाती है, जिसे छीलने की गलती नहीं करनी चाहिए। मृत त्वचा की परतों को छीलने या नोचने से संक्रमण का खतरा रहता है और आसानी से न हटने वाले निशान पड़ सकते हैं। इस उपचार के बाद अपनी त्वचा को ज्यादा छूने से भी बचें, क्योंकि ऐसा करने से कीटाणु फैल सकते हैं। मेकअप और अन्य फेशियल उपचारों से करें परहेजः केमिकल पीलिंग के एक या 2 दिन बाद तक आपको मेकअप नहीं लगाना चाहिए। मेकअप उत्पाद उपचार प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं और जलन, खुजली और शुष्कता का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा कुछ हफ्तों तक किसी भी प्रकार का अन्य फेशियल उपचार करवाने की गलती भी न करें। इनमें वैक्सिंग, थ्रेडिंग, फेशियल और लेजर उपचार आदि शामिल होते हैं। ये कॉस्मेटिक उपचार त्वचा में जलन और सूजन पैदा कर सकते हैं।